सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
जरूरतें और नींद जिंदगी में कभी भी पूरी नहीं होती है...
जो जितनी सुविधा में है, वो उतनी ही दुविधा में है...।
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–174 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 13 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

लिटिया–सेमरिया उपकेंद्र में 320 एमवीए क्षमता के दो ट्रांसफामर्रों का ऊर्जीकरण

औद्योगिक परियोजनाओं के लिए सुदृढ़ हुई प्रदेश की पारेषण व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश की पारेषण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने सोमवार को 220/132 केवी लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में स्थापित 160–160 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफामर्रों का सफलतापूर्वक ऊर्जीकरण किया। प्रथम ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकरण सायं 5:22 बजे और द्वितीय का सायं 5:27 बजे किया गया। दोनों ट्रांसफामर्रों के सफल ऊर्जीकरण से उपकेंद्र में 320 एमवीए की अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी उपलब्ध हो गई है।

इस परियोजना से राजनांदगांव और दुर्ग क्षेत्र की पारेषण व्यवस्था को उल्लेखनीय मजबूती मिलेगी। बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा और क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

राजेश कुमार शुक्ला ने इस उपलब्धि पर परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं कमर्चारियों को

बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास और उपभोक्ताओं को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पारेषण नेटवर्क का निरंतर विस्तार और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (लाइन) संजय पटेल, कार्यपालक निदेशक (पीसी एंड आरए) के. एस. मिनोठिया, कार्यपालक निदेशक (ट्रांसमिशन) वी. के. दीक्षित, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (ओ एंड एम) संजय आर. बी. खंडेलवाल, कार्यपालक निदेशक दुर्ग क्षेत्र शिरीष सालेट, मुख्य अभियंता (सब–स्टेशन) अब्राहम वर्गीज, मुख्य अभियंता (परियोजना) प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता पी. पी. सिंह, आर. के. तिवारी, आर. के. मिश्रा, अधीक्षण अभियंता करुणेश यादव, सुनील भुआर्य सहित कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता और परियोजना से जुड़े अधिकारी–कमर्चारी उपस्थित थे।

सुश्री सुरुचि सिंह ने नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त का पदभार ग्रहण किया

प्रशासनिक अनुभव एवं कार्यकुशलता से भिलाई नगर निगम में विकास कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भारतीय प्रशासनिक सेवा (कअर) की अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह ने सोमवार को नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। राज्य शासन द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के तहत उन्हें नगर पालिक निगम भिलाई का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व वे जिला पंचायत राजनांदगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (उएड) के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं। नगर निगम मुख्यालय पहुंचने पर निगम के अधिकारियों एवं कमर्चारियों ने सुश्री सिंह का आत्मीय स्वागत किया। आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह का शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। पदभार ग्रहण के दौरान निगम के सभी विभागों के अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने नवपदस्थ आयुक्त का स्वागत करते हुए उन्हें निगम की वतर्मान परियोजनाओं एवं विभिन्न विभागों की प्रगति से अवगत कराया। राज्य शासन द्वारा हाल ही में किए गए प्रशासनिक फेरबदल के अंतर्गत आईएएस अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह को नगर पालिक निगम भिलाई का आयुक्त नियुक्त किया गया है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा दुर्ग संभाग की हुई बैठक

दुर्ग। आज दुर्ग स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा प्रदेश ओबीसी मोर्चा दुर्ग संभाग की अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और कायर्योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से कन्हैया सोनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर, दुर्ग संभाग ओबीसी मोर्चा प्रभारी राजेंद्र जायसवाल सहित ओबीसी मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्य समिति के सदस्य, जिले के अध्यक्ष और जिले के महामंत्री उपस्थित थे। बैठक में ओबीसी समाज को संगठन से जोड़ने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने पर मंथन किया गया।

महादेव सट्टा एप का अंतरराष्ट्रीय जाल

श्रीलंका में 147 भारतीय हाउस अरेस्ट, वीजा–पासपोर्ट जब्त

नौकरी के नाम पर फंसाए गए छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों के युवा, मास्टरमाइंड सिकंदर फरार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का जाल अब देश की सीमा लांघकर श्रीलंका तक पहुंच गया है। सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर की ओमान में गिरफ्तारी के बाद अब श्रीलंका से 147 भारतीय युवाओं के हाउस अरेस्ट होने की सनसनीखेज जानकारी सामने आई है। इन युवाओं के वीजा और पासपोर्ट भी जब्त कर लिए गए हैं।

हालांकि अभी तक इस मामले में श्रीलंकाई प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार हाउस अरेस्ट किए गए युवाओं में रायपुर, भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव के अलावा बिहार और उत्तरप्रदेश के युवा शामिल हैं।

नौकरी का झांसा देकर फंसाया

सूत्रों का कहना है कि ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क के कथित ऑपरेटर सिकंदर प्रसाद ने युवाओं को निजी कंपनी में 45 हजार रुपये मासिक वेतन और रहने–खाने की सुविधा का लालच देकर श्रीलंका भेजा था। परिजनों को भी यही बताया गया था।

लेकिन कार्रवाई के बाद कई परिवारों को पता चला कि उनके बच्चे श्रीलंका में ऑनलाइन सट्टा पैनल में काम कर रहे थे। भारतीयों के हाउस अरेस्ट की सूचना भी श्रीलंका गए युवाओं के परिजनों के जरिए ही सामने आई है।

आरोप है कि दुबई और श्रीलंका में वर्कर की जरूरत पड़ने पर सिकंदर स्थानीय बेरोजगार युवकों को नौकरी का झांसा देकर नेटवर्क से जोड़ता था। उसे सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की मदद मिली थी। छावनी पुलिस सिकंदर की लंबे समय से तलाश कर रही है।

एजेंसियां कर रही कार्रवाई

महादेव एप के कथित प्रमोटरों सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ भारतीय एजेंसियां भी सक्रिय हैं। एजेंसियों ने दुबई स्थित उनकी कथित संपत्तियों और गतिविधियों की जानकारी भारतीय दूतावास के माध्यम से साझा की है। दुबई में भी उनके खिलाफ कार्रवाई तेज किए जाने की बात सामने आ रही है।

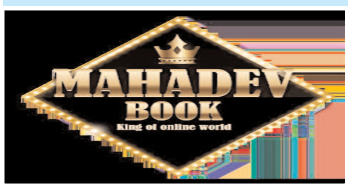

मास्टरमाइंड सिकंदर फरार, भिलाई का रहने वाला

पुलिस सूत्रों के मुताबिक कारर्वाई की भनक लगते ही सिकंदर प्रसाद दुबई से भारत लौट आया और फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। सिकंदर भिलाई के छावनी कैंप का रहने वाला है। उस पर पहले से अवैध शराब और छोटी–मोटी आपराधिक गतिविधियों के आरोप हैं। महादेव एप शुरू होने के बाद वह उससे जुड़ गया और एप के फाउंडर सदस्यों में उसका नाम शामिल बताया जा रहा है।

पार्टी से बड़ा कोई नहीं डॉ. नरोत्तम मिश्रा

दतिया उपचुनाव में टिकट न मिलने पर बोले, प्रत्याशी के नामांकन में होंगे शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

सत्ता पक्ष के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में टिकट न मिलने और नाराजगी से जुड़े सवालों पर रविवार को मीडिया से खुलकर बातचीत की। टिकट वितरण पर उठ रहे सवालों के जवाब में डॉ. मिश्रा ने कहा कि "अब यह स्पष्ट हो गया है कि किसी भी व्यक्ति का कद पार्टी से बड़ा नहीं होता।"

उन्होंने कहा, "टिकट न दिए जाने का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि पार्टी से ऊपर कोई नहीं है। पार्टी का स्थान सवोर्च्च है और उसमें दूरदृष्टि के साथ निर्णय लेने की क्षमता है। पार्टी ने जो निर्णय लिया है, उसे स्वीकार करना तथा संगठन के लिए कार्य करना ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है।"दतिया विधानसभा उपचुनाव में सत्ता पक्ष के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने संबंधी प्रश्न पर डॉ. मिश्रा ने कहा कि वे उस कार्यक्रम में अवश्य शामिल होंगे। राजनीतिक हलकों में डॉ. मिश्रा के इस बयान को पार्टी अनुशासन और एकजुटता के संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा फेरबदल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर,

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में रविवार को राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। आदेश के तहत 3 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित कई निरीक्षकों और थाना प्रभारियों के तबादले किए गए हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों की नई पदस्थापना

- तारकेश्वर पटेल को पुलिस उपायुक्त (जोन मध्य), रायपुर बनाया गया है।
- दीपमाला कश्यप को पुलिस उपायुक्त (जोन उत्तर), रायपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
- अचर्ना झा को पुलिस उपायुक्त (यातायात एवं प्रोटोकॉल), रायपुर कमिश्नरेट नियुक्त किया गया है।

थाना प्रभारियों में भी बदलाव

कमिश्नरेट स्तर पर निरीक्षकों की नई पदस्थापना भी जारी की गई है:

- राजेश कुमार सिंह बने थाना प्रभारी आजाद चौक
- पारस राम पटेल को सरस्वती नगर थाना की कमान सौंपी गई
- नरेंद्र कुमार साहू बने गुढ़ियारी थाना प्रभारी
- सतीश सिंह गहरवार को कोतवाली थाना प्रभारी बनाया गया है।

कोरकोट्टी शहादत की 17वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / मोहला–मानपुर अं.चौकी

12 जुलाई 2009 को कोरकोट्टी में नक्सलियों की कायराना हरकत में शहीद हुए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक और जवानों की 17वीं पुण्यतिथि पर रविवार को रक्षित केंद्र मोहला स्थित अमर जवान स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

12 जुलाई 2009 को नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान थाना मानपुर क्षेत्र के कोरकोट्टी में घात लगाकर किए गए हमले में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शहीद स्व. विनोद चौबे, उप निरीक्षक धनेश साहू सहित कुल 29 जवान शहीद हो गए थे। उनकी सवोर्च्च शहादत को नमन करने अमर जवान प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाई.पी. सिंह, जिला कलेक्टर श्रीमती तूलिका प्रजापति, अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, आईटीबीपी 44वीं वाहिनी पानाबरस के द्वितीय कमान शरद कुमार त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह पटेल की उपस्थिति में जिला पुलिस बल के अधिकारी–जवानों और जनप्रतिनिधियों ने पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि वीर जवानों के बलिदान के परिणामस्वरूप आज जिला मोहला–मानपुर अं.चौकी पूणर्रूप से नक्सल मुक्त हो गया है और क्षेत्र में शांति स्थापित है। शहीदों के सवोर्च्च बलिदान को याद करते हुए उनके परिजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम के समापन पर पत्रकार अतुल कुमार श्रीवास्तव द्वारा कोरकोट्टी नक्सल घटना में शहीद जवानों को समर्पित लेख "कोरकोट्टी" का विमोचन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री वाई.पी. सिंह और जिला कलेक्टर श्रीमती तूलिका प्रजापति एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। वीर शहीदों की स्मृति में रक्षित केंद्र मोहला में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में एसडीएम मोहला हेमंत भुआर्य, एसडीओपी मानपुर विनोद मिंज, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय नेहा पवार, उप पुलिस अधीक्षक आप्स ताजेश्वर दीवान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जनप्रतिनिधि मदन साहू, प्रकाश मिश्रा, संजय जैन, पुलकित खंडेलवाल, रक्षित निरीक्षक भुनेश्वर कश्यप, थाना प्रभारी मानपुर कपिल देव चंद्रा, गोटाटोला खोमन भंडारी, कोहका सुशील त्रिपाठी, औंधी सतीश साहू, सीतागांव संजय यादव, खड़गांव गणेश यादव, मदनवाड़ा नवल साव, चिल्हाटी संजय मेरावी, प्रभारी नियंत्रण कक्ष शंभू लाल सिन्हा सहित डीआरजी, आईटीबीपी, जिला पुलिस बल के अधिकारी–कमर्चारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बीआईटी दुर्ग में "भगवद् गीता" पर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम आयोजित

आत्म–नियंत्रण, तनाव प्रबंधन और मूल्य आधारित जीवन पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग में सोमवार को "भगवद् गीता" विषय पर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को गीता के सिद्धांतों से जोड़कर उन्हें व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रेरित करना था।

गीता के 18 अध्यायों का दिया संक्षिप्त विवरण– कार्यक्रम में आशीष खंडेलवाल, उपाध्यक्ष गीता परिवार दुर्ग ने गीता के 18 अध्यायों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की पाठशाला है।

गीता परिवार के राज्य प्रमुख श्री गीता गोविंद साहू ने कृष्ण और अर्जुन के संवाद को वर्तमान समय की चुनौतियों से जोड़ते हुए उसकी व्यावहारिक प्रासंगिकता स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि गीता हमें आत्म–नियंत्रण, निर्णय लेने में स्पष्टता और धैर्य जैसी दैनिक समस्याओं का समाधान देती है।

छात्रों के लिए बताई उपयोगिता

वक्ताओं ने छात्रों के दृष्टिकोण से गीता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। बताया गया कि गीता तनाव प्रबंधन, अध्ययन में एकाग्रता और अनुशासन विकसित करने में सहायक है। यह कार्यक्रम व्यक्तिगत विकास के लिए आत्म–जागरूकता, भावनात्मक संतुलन और नैतिक जीवन को प्रोत्साहित करता है। वहीं सामाजिक स्तर पर यह समाज में सद्भाव, सामूहिक जिम्मेदारी और मूल्य आधारित जीवन को बढ़ावा देने में मददगार है। कार्यक्रम आई.पी. मिश्रा, सदस्य सचिव और डॉ. अनुप मिश्रा, प्राचार्य इब्ळ दुर्ग के सक्षम मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एस.पी. शुक्ला थे। इसके सफल संचालन में डॉ. सुनीता सोनी, डॉ. शीना शेखर, डॉ. शुभ्रता नागपाल और डॉ. नागेन्द्र त्रिपाठी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

खास खबर

भावना पांडेय ने संभाला धमतरी पुलिस अधीक्षक का पदभार

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

प्रशासनिक दायित्वों के क्रम में नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना पांडेय ने सोमवार को धमतरी जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। निवतर्मान पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार* ने विभागीय प्रक्रिया के तहत कार्यभार सौंपते हुए जिले की कानून–व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा, संवेदनशील प्रकरणों, चल रहे विशेष अभियानों, सामुदायिक पुलिसिंग और विभागीय कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।

अधिकारियों से परिचय, कही ये बातें

पदभार ग्रहण समारोह में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, एसडीओपी सहित पुलिस अधिकारी–कमर्चारी मौजूद रहे। सभी ने नवपदस्थ एसपी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर श्रीमती भावना पांडेय ने कहा कि धमतरी पुलिस की सवीच्च प्राथमिकता आमजन की सुरक्षा, कानून–व्यवस्था बनाए रखना, अपराधों पर त्वरित नियंत्रण, पीड़ितों को समयबद्ध न्याय और जनता–पुलिस के बीच विश्वास को मजबूत करना है।

उन्होंने महिला एवं बाल सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता देने, जनोन्मुखी बेसिक पुलिसिंग और पारदर्शी कायर्संस्कृति अपनाने पर जोर दिया। साथ ही सभी अधिकारियों–कमर्चारियों से अनुशासन, जवाबदेही, संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ काम करने की अपील की।

कार्यालय का निरीक्षण, लंबित प्रकरणों पर दिए निर्देश

पदभार के बाद एसपी ने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। शाखा प्रभारियों से कार्यप्रणाली, लंबित प्रकरणों, अभिलेख संधारण और दैनिक कार्यो की जानकारी ली।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय को दी गई भावभीनी विदाई

अधिकारियों–कमर्चारियों ने नम आंखों से दी विदाई, विकास कार्यों को किया याद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाइ

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय का अपर आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, नवा रायपुर के पद पर स्थानांतरण होने पर निगम परिवार द्वारा होटल अमित पार्क इंटरनेशनल में एक गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारी और कमर्चारियों ने नम आंखों से अपने लोकप्रिय आयुक्त को विदाई दी। अधिकारियों के विशेष आग्रह पर निगम आयुक्त अपने परिवार सहित समारोह में शामिल हुए। पूरा माहौल भावुक रहा।

उपस्थित अधिकारियों और कमर्चारियों ने आयुक्त के कायर्काल के दौरान हुए विकास कार्यों, कुशल मार्गदर्शन और सौम्य व्यवहार की सराहना की। वक्ताओं ने उनके उच्च व्यक्तित्व, प्रशासनिक क्षमता, कार्य के प्रति समर्पण, बेहतर कायर्शैली और त्वरित निर्णय लेने की खूबी को याद किया।

विदाई संबोधन में आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने सभी अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी बेहतर कार्य कर रहे हैं। शहर में संचालित बड़ी परियोजनाओं को जिम्मेदारी से पूर्ण करने की बात कही, ताकि आने वाले समय में आम नागरिकों को लाभ मिले। उन्होंने अपने कायर्काल की प्रमुख परियोजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, निर्माणाधीन स्विमिंग पूल, नालंदा परिसर, हॉर्स राइडिंग, स्केटिंग ट्रैक और रेलवे किनारे बायपास रोड का उल्लेख किया।

इस दौरान उन्होंने कार्य के दौरान जनप्रतिनिधियों, शहरवासियों और अधिकारियों–कमर्चारियों से अनजाने में हुई गलतियों के लिए खेद भी व्यक्त किया।

स्मृति चिन्ह भेंट कर दीं शुभकामनाएं

कार्यक्रम में मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, कायर्पालन अभियंता संजय अग्रवाल, संजय वर्मा, अनिल सिंह, नितेश मेश्राम, लेखाधिकारी चन्द्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, श्वेता माहेश्वर, चंद्रकांत साहू, बसंत साहू, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के के सिंह, अनिल मेश्राम, दौलत चंद्राकर, शंकर सुवन मरकाम, पुरुषोत्तम सिन्हा एवं अशोक देवांगन सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी–कमर्चारी उपस्थित रहे। सभी ने निगम आयुक्त को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य और नवीन दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दीं।

पब, बार और होटल संचालकों की ली गई बैठक, समय पर प्रतिष्ठान बंद करने के निर्देश

नाबालिगों के प्रवेश और सार्वजनिक स्थान पर नशा करने पर होगी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

एसीपी सिविल लाइन, रायपुर टीआई द्वारा रविवार को थाना तेलीबांधा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित पब, ढाबा, होटल और बार संचालकों की बैठक ली गई। बैठक में सभी संचालकों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया।

दिए गए प्रमुख निर्देश

– सभी प्रतिष्ठानों को निर्धारित समय अवधि में बंद किया जाए।
– ग्राहकों के वाहनों को निर्धारित पार्किंग में ही खड़ा कराया जाए।
– किसी भी क्लब, पब या बार में नाबालिग को प्रवेश न दिया जाए।
– प्रतिष्ठान के सामने या वाहनों में किसी भी प्रकार का नशा न किया जाए। नशा करते पाए जाने पर पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।
– यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।
– होटल, बार और पब के लाइसेंस संबंधी नियमों का पूरी तरह पालन किया जाए।

धान में तना छेदक से बचाव के लिए अभी से करें प्रबंधन : भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी

रोपाई से पहले पौधे को कीटनाशक में डुबोएं, 20–25 दिन बाद खाद के साथ करें छिड़काव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी ने कहा कि धान की फसल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाला रोग तना छेदक है। यह बीमारी बुवाई और रोपाई के समय ही पौधे में लग जाती है, इसलिए किसान अभी से इसकी रोकथाम करें।

उन्होंने बताया कि तना छेदक का नियंत्रण शुरुआती अवस्था में ही संभव है। रोपाई करने वाले किसान रोपाई से पहले पौधे की जड़ों को किसी भी अनुशंसित कीटनाशक दवाई में 15 मिनट तक डुबोकर रखें और उसके बाद ही रोपाई करें। इससे पौधे में शुरुआती संक्रमण नहीं होगा।

नसर्री और बुवाई वाली फसल के लिए सलाह

अशोक चौधरी ने कहा कि किसान चाहें तो नसर्री में ही नियंत्रण कर सकते हैं। 1 मिलीग्राम कीटनाशक को 1 लीटर पानी में घोलकर नसर्री यानी "तरह" में छिड़काव करने से तना छेदक को शुरू में ही रोका जा सकता है।

वहीं जो किसान बुवाई पद्धति से खेती कर रहे हैं, वे पौधे के 20–25 दिन बाद जब खाद का छिड़काव करते हैं तो उसमें कीटनाशक मिलाकर छिड़काव करें। इससे भी तना छेदक का प्रकोप नियंत्रित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि किसानों को धान में सर्वाधिक आर्थिक नुकसान तना छेदक बीमारी से ही होता है। इसलिए समय रहते इसका नियंत्रण करना आवश्यक है। अभी तना छेदक को नियंत्रित करने का उपयुक्त समय है, किसान भाई इस ओर विशेष ध्यान दें और समय पर उपाय अपनाएं।

विधानसभा में विधायक रिकेश की पहल, शहरी क्षेत्रों में पट्टा वितरण की प्रक्रिया होगी शुरू

पात्रता निर्धारण के लिए सभी जिला कलेक्टरों को 8 मई 2026 को निर्देश जारी किए जा चुके हैं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में वर्षों से पट्टे की मांग कर रहे हजारों परिवारों के लिए राहत भरी खबर है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा मानसून सत्र के प्रथम दिवस विधानसभा में उठाए गए प्रश्न के बाद राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि पात्र कब्जाधारियों और आवासहीन परिवारों को पट्टा देने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

आपको बता दें कि विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान विधायक रिकेश सेन ने राजस्व मंत्री से पूछा था कि क्या शहरी क्षेत्रों में पात्र परिवारों एवं कब्जाधारियों को भू–स्वामी अधिकार अथवा पट्टा वितरण की कोई योजना विचाराधीन है तथा यह प्रक्रिया कब तक शुरू होगी? इस पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने सदन में बताया कि छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों के आवासहीन व्यक्ति को पट्टाधृति अधिकार अधिनियम, 2023 एवं उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार पात्रता निर्धारण के लिए सभी जिला कलेक्टरों को 8 मई 2026 को निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

सरकार ने 15 अगस्त 2026 तक सर्वे कार्य पूरा करने की समय–सीमा तय की है। सर्वे के बाद पात्र हितग्राहियों को पट्टा वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वैशाली नगर सहित प्रदेश के अनेक शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परिवार वर्षों से भूमि पर निवास कर रहे हैं, लेकिन पट्टा नहीं होने के कारण उन्हें कई सरकारी सुविधाओं और योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि विधानसभा में यह विषय उठाने का उद्देश्य ऐसे परिवारों को कानूनी अधिकार दिलाना और उनके भविष्य को सुरक्षित करना है। पट्टा मिलने के बाद पात्र परिवारों को अपनी भूमि पर वैधानिक मालिकाना अधिकार मिलेगा। साथ ही बैंक ऋण, विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ, संपत्ति का वैध रिकॉर्ड तथा भूमि संबंधी विवादों से राहत जैसी सुविधाएं भी प्राप्त होंगी।

हालांकि सरकार ने अभी पट्टा वितरण की अंतिम समय–सीमा घोषित नहीं की है, लेकिन सर्वे पूरा होने के बाद पात्र हितग्राहियों को पट्टा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी सदन में दी गई।

नए कॉलम की जानकारी न देने पर मिल सकता है आयकर विभाग का नोटिस : सीए मिनेश जैन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

1 जुलाई तक अनिवार्य रूप से दाखिल करें गैर–ऑडिट श्रेणी का आईटीआर

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (कउअक) की भिलाई शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए मिनेश जैन ने सभी पात्र करदाताओं से 31 जुलाई 2026 तक गैर–ऑडिट श्रेणी का आयकर रिटर्न दाखिल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अंतिम समय में पोर्टल पर लोड, तकनीकी समस्या और दस्तावेजों की कमी से बचने के लिए समय रहते रिटर्न जमा करना बेहतर रहेगा।

सीए जैन ने बताया कि इस वर्ष आयकर रिटर्न फॉर्म में एक महत्वपूर्ण नया कॉलम जोड़ा गया है। इसमें उन प्राप्तियों का विवरण देना है जिन्हें आयकर अधिनियम के अनुसार आय नहीं माना जाता और जिन पर कर देय नहीं होता।

सीए मिनेश जैन ने बताया कि आयकर विभाग के पास अब बैंकिंग डाटा, अकर, रत्र्ळ और अन्य डिजिटल माध्यमों से वित्तीय लेन–देन की पूरी जानकारी उपलब्ध है। विभाग बैंक खाते में आई कुल राशि का मिलान रिटर्न में घोषित आय से करता है।यदि बैंक में आई राशि अधिक है और रिटर्न में उसका उचित विवरण नहीं दिया गया तो विभाग को अंतर संदेहास्पद लग सकता है और करदाता को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस भेजा जा सकता है। जबकि वह राशि पूरी तरह करमुक्त भी हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस नए कॉलम का उद्देश्य अतिरिक्त कर लगाना नहीं, बल्कि बैंक खाते और रिटर्न की जानकारी में सामंजस्य स्थापित करना है। यदि गैर–करयोग्य प्राप्तियों का सही विवरण दिया जाए तो भविष्य में अनावश्यक पूछताछ और नोटिस से बचा जा सकता है।

देर से रिटर्न पर लगेगा जुर्माना

सीए जैन के अनुसार 31 जुलाई के बाद रिटर्न दाखिल करने पर 1,000 से 5,000 रुपये तक विलंब शुल्क देना पड़ सकता है। यदि कर देय है तो उस पर ब्याज भी लगेगा।

समय पर रिटर्न न भरने पर व्यवसाय या पूंजीगत हानि को आगे ले जाने का लाभ नहीं मिलेगा और रिटर्न में संशोधन की सुविधा भी सीमित हो जाएगी।

आईपीएस नायक ने शिक्षकों को किया मोटिवेट संस्कार स्कूल में पैरेंटिंग और बाल मनोविज्ञान पर दिया सेमिनार

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिले की प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल में शनिवार को पैरेंटिंग और चाइल्ड मनोविज्ञान पर विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पुलिस के सेवानिवृत्त डीआईजी आईपीएस राधेश्याम नायक मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

संस्था के मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि राधेश्याम नायक पूर्व में सरगुजा सहित कई जिलों में पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं और डीआईजी पद सेवानिवृत्त हुए हैं। रायगढ़ दौरे के दौरान विशेष आग्रह पर वे संस्कार पब्लिक स्कूल पहुंचे।

सेमिनार में उन्होंने शिक्षकों को बच्चों के बिगड़ने के कारण, उनकी मनोवैज्ञानिक जरूरतों और सही पैरेंटिंग के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अनुशासन के साथ-साथ बच्चों को समझना और उनसे संवाद स्थापित करना जरूरी है, तभी उनका सर्वांगीण विकास संभव है। इस अवसर पर राधेश्याम नायक के साथ पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर फर्म एंड सोसायटी भी उपस्थित थे। स्कूल प्रबंधन और व्यवस्था को देखकर वे गद्गद हो गए और संस्कार पब्लिक स्कूल की शिक्षा प्रणाली की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा ने किया। इस दौरान प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शहीदों की शहादत को राजनांदगांव पुलिस का शत–शत नमन

कोरकोट्टी हमले के 17 साल, 29 वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि, स्वास्थ्य परीक्षण और रक्तदान शिविर आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव,

कोरकोट्टी में नक्सलियों से लोहा लेते हुए शहीद हुए पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार चौबे सहित 29 वीर पुलिस जवानों की पुण्य स्मृति में रविवार को जिला पुलिस राजनांदगांव द्वारा श्रद्धांजलि समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया।

तत्कालीन जिला राजनांदगांव के ग्राम कोरकोट्टी, थाना मानपुर में नक्सलियों से अदम्य साहस के साथ मुकाबला करते हुए इन जवानों ने छत्तीसगढ़ की माटी की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया था।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे शहीद विनोद कुमार चौबे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद रक्षित केन्द्र राजनांदगांव स्थित शहीद स्मारक और मंगल भवन में सभी वीर शहीदों के छायाचित्रों पर पुष्प अर्पित कर 2 मिनट का मौन रखा गया। पुलिस अधिकारियों और कमर्चारियों ने उनके अद्वितीय साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा को नमन किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा और उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने शहीद परिवारों का शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक परिवार से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को सुना तथा त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया।

अंकिता शर्मा ने कहा कि शहीदों का सवीच्च बलिदान पुलिस परिवार और समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके परिवारों का सम्मान और सहयोग करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

शहीदों की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस अधिकारियों और कमर्चारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। 21 पुलिस अधिकारी और कमर्चारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा के माध्यम से शहीदों को अनूठी श्रद्धांजलि दी।

जनप्रतिनिधियों ने दिया सहयोग का भरोसा

श्रद्धांजलि समारोह में सांसद संतोष पांडे, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर मधुसूदन यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, किरण वैष्णव, किरण साहू, पूणिर्मा साहू, सचिन बघेल, कुलबीर छाबड़ा और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जनप्रतिनिधियों ने शहीद परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण सवीच्च प्राथमिकता है और वे सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे।

कार्यक्रम में कलेक्टर जितेन्द्र यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, पीटीएस से डीएसपी किरण चौधरी, रक्षित निरीक्षक लोकेश कुमार कसेर सहित जिले के सभी पुलिस अधिकारी, कमर्चारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समापन पर सभी ने शहीदों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति को सदैव स्मरण रखते हुए राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए निरंतर समर्पित रहने का संकल्प लिया।

खास खबर

भारत विकास परिषद के 64वें स्थापना दिवस पर दुर्ग इकाई के विविध आयोजन

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

भारत विकास परिषद के 64वें स्थापना दिवस पर भारत विकास परिषद, दुर्ग इकाई द्वारा सेवा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन किया गया। दिनभर चले आयोजनों में गुरु वंदन–छात्र अभिनंदन, वृक्षारोपण और संस्कार संवर्धन का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कांति दर्शन महाविद्यालय, भिलाई में गुरु वंदन–छात्र अभिनंदन समारोह से हुआ। विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का चरण प्रक्षालन कर, आरती उतारी, तिलक लगाया और गुलाब पुष्प भेंट कर सम्मान किया। गुरु–शिष्य परंपरा का यह दृश्य सभी को भावविभोर कर गया। भारत विकास परिषद, दुर्ग इकाई के अध्यक्ष तुलसी सोनी और सचिव डॉ. लक्ष्मी वर्मा ने सभी गुरुजनों को शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति–पत्र भेंट कर सम्मानित किया। गुरुजनों ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को आध्यात्मिक स्वरूप देते हुए परिषद के सदस्य प्रभाक ठाकुर ने संस्कृत के मंगलमय श्लोकों का उच्चारण किया। इस अवसर पर विद्यालय और महाविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति–पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। परिषद के संस्कार प्रकल्प के अंतर्गत कांति दर्शन महाविद्यालय के डायरेक्टर के. डी. श्रीवास्तव का भी विशेष सम्मान किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में तुलसी सोनी ने परिषद की स्थापना, उद्देश्य और सेवा, संस्कार, सहयोग, समर्पण व राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सदस्य सुबोध पांडे ने किया।

स्थापना दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कदम संस्था, दुर्ग के संस्थापक अध्यक्ष प्रभुदयाल उजाला ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए। तभी हमारी वसुंधरा हरी–भरी रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा।

सूर्य पथ विद्यालय, आदित्य नगर के संचालक राजेश पवार ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी हैं। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण विकसित करने पर बल दिया। इसके बाद दुर्ग की नवीन आवासीय कॉलोनी भावभूमि परिसर में लायनेस क्लब के साथ संयुक्त वृक्षारोपण किया गया। इस अभियान में समाजसेवी कैलाश बरमेचा, सेवानिवृत्त उप वन मंडलाधिकारी और भावभूमि परिवार के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. प्राची श्रीवास्तव, सुरेश कोठारी, आशीष शर्मा, विकास जायसवाल, संजय कुकड़े, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. शेखर ताम्रकार एवं अजय साहू सहित परिषद के अनेक सदस्यों का योगदान रहा।

एक नारी घर को स्वर्ग बना देती है विधायक कविता प्राण लहरे

वक्ता मंच द्वारा 100 अग्रगामी महिलाओं को किया गया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वक्ता मंच एवं जन एकता फाउंडेशन द्वारा राजधानी रायपुर में सोमवार को अग्रगामी महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रदेश भर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी गुरुशरण पाल गरचा ने की।

मुख्य अतिथि विधायक कविता प्राण लहरे ने कहा कि "छत्तीसगढ़ में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति, अपराध और मृत्यु भोज जैसी अप्रासंगिक प्रथाओं को रोकने के लिए महिलाएं आगे आएं।"

उन्होंने कहा "एक नारी घर को स्वर्ग बना देने के लिए काफी है। यदि सभी नारियां ठान लें तो प्रदेश को नशामुक्त किया जा सकता है।" विधायक ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपनी बेटियों को पढ़ाई के साथ कराटे भी सिखाएं ताकि वे महिलाओं पर होने वाली हिंसा की स्थिति में आत्मरक्षा कर सकें।

अतिथियों ने कहा कि सम्मानित महिलाओं के कार्यों से समाज में आशा, विश्वास और परिवर्तन का दीप जल रहा है। वक्ता मंच ने अपनी 3 दशकों की यात्रा में सेवा, संवेदना और संस्कार के नए अध्याय लिखे हैं। वक्ता मंच केवल संस्था नहीं बल्कि सामाजिक चेतना, वैचारिक संवाद और जनजागरण का सशक्त मंच है।

कार्यक्रम में मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर उच्च व्यवसायों में संलग्न महिलाओं को अग्रगामी महिला अवार्ड एवं सम्मान पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया। समारोह के अंत में लकी ड्रॉ के माध्यम से सारंगढ़ की हीरादेवी निराला को "वर्ष 2026 की भाग्यशाली महिला" का अवार्ड प्रदान किया गया।

इस अवसर पर डॉ. मनीषा बी. सिन्हा, डॉ. नलिनी मढरिया, डॉ. करुणा कुर्रे, डॉ. प्राची भट्टर, डॉ. रत्ना अग्रवाल, पंडित पी.के. तिवारी, राजकुमार धर द्विवेदी और अजीत कुकरेजा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में शुभम साहू, विवेक बेहरा, मनीष अवस्थी, ज्योति शुक्ला, पूर्णेश डडसेना, धनेश्वरी नारंग, उमा स्वामी, राजाराम रसिक, दुष्यंत साहू, हेमलाल पटेल, लक्ष्मीनारायण लहरे, देव मानिकपुरी, डॉ. इंद्रदेव यदु, अखिलेश तिवारी सहित वक्ता मंच के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीन दशकों से सामाजिक चेतना का मंच बना वक्ता मंच

समारोह की शुरुआत बाल प्रतिभाओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि इस वर्ष सांप्रदायिक सौहार्द्र, थियेटर, फिल्म, जनजागरण, खेल, शिक्षा, चिकित्सा, विधिक सहायता, पत्रकारिता, व्यवसाय, साहित्य, कला, संस्कृति, लोक कला, पुलिसिंग और प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं का चयन सम्मान के लिए किया गया था।

इन 100 महिलाओं को मिला सम्मान

सम्मानित होने वालों में रविंदर कौर भांबरा, स्वीटी सलूजा, आफताब बेगम, डॉ. आकांक्षा दुबे, सीमा पांडेय, अनुराधा दुबे, डॉ. मान्या ठाकुर, अचला श्रीवास्तव, रूपल पांडे, जया सिंह, अदिति साहू, अपिर्ता बेडेकर, रतनजीत कौर, आरजू मीर, अनुभूति श्रीवास्तव, पद्मा ब्यौहार, माधुरी साहू, सुमिता रॉय बर्मन, हीरादेवी निराला, डॉ. करुणा, रिम्मी सिंह, अंकुर शुक्ला, डॉ. विद्या सिंह राठौर, टिकेश्वरी खटकर, कुंती तेता, हिना देशपांडे, नेहा यादव, रश्मि दुबे सहित प्रदेश की 100 महिलाएं शामिल रहीं।

इकरा की कोशिशों से होनहारों को मिल रही तालीम की रोशनी, संवर रहा भविष्य भी

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

इकरा टीचर्स एसोसिएशन की ओर से मुस्लिम समुदाय के होनहार बच्चों का सम्मान समारोह 12 जुलाई रविवार को गैलेक्सी बैंक्वेट हॉल जुनवानी रोड में आयोजित किया गया। इस मौके पर 10वीं और 12वीं में 75 फीसदी और उससे ज्यादा अंक लाने वाले 60 से ज्यादा होनहार बच्चों को अतिथियों ने सम्मानित किया। इस मौके पर तमाम अतिथियों के साथ ह्यइकराह्ण की पहल पर उच्च शिक्षा हासिल कर करियर में सफल युवाओं ने भी अपनी बात रखी। इन युवाओं ने ह्यइकराह्ण की इमदाद के लिए आभार जताया।

आयोजन के मुख्य अतिथि 'अरामको' सऊदी अरब के पूर्व एग्जीक्यूटिव एडवाइजर हाजी शम्सुद्दीन ने ह्यइकराह्ण के काम की सराहना करते हुए कहा कि इनकी वजह से कई घरों के बच्चों ने बेहतर तालीम के जरिए अपनी जिंदगी सवारी है। उन्होंने ह्यइकराह्ण की इमदाद से आला तालीम हासिल कर रहे युवाओं से अपील की कि आगे जब आप कामयाब हो जाएं तो अपने से कमजोर लोगों का जरूर साथ दें उन्हें आगे बढ़ाएं।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि मजहर अनीस जीएम बीएसपी, शमी अख्तर फारूकी एजीएम बीएसपी, एजाजुद्दीन आरएंडडी रूंगटा कॉलेज (आर–1), मोहम्मद साजिद अंसारी – एडमि. डायरेक्टर रूंगटा कॉलेज (आर–2), फैय्याजुद्दीन –सिविल कांट्रेक्टर, हाजी हमीदुल्ला सिद्दीकी –सदर, बैतुलमाल कमेटी भिलाई, जिल्लुर रहमान–सदर, दारुल क़ज़ा, नसीम खान रिटायर्ड (एमपीईबी डीई) ने भी अपनी बात रखी और बच्चों की हौसला अफजाई की। एसोसिएशन के सरपरस्त डॉ. आर. ए. सिद्दीकी नेत्र विशेषज्ञ एक्स डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज (मप्र.) और क्यू. ए. खान रिटायर्ड अपर कलेक्टर– दुर्ग ने बच्चों को करियर से जुड़ी जरूरी हिदायतें दी। सदारत कर रहीं समीना फारुक़ी (डायरेक्टर स्काई लाईन एसोसिएट) और फखरुद्दीन फारूक़ी (आर्किटेक्ट) ने भी बच्चों को संबोधित किया। समूचे आयोजन का संचालन नवाब रौनक जमाल ने किया। इस मौके पर होनहार बच्चों का सम्मान किया गया। इनमें दसवीं बोर्ड में 75 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वाले होनहारों में अलिना जागीरदार (97.37), अब्दुल खादिर जहां (95.16), फाइजा खान (93.6), जारा अली (92.6), शादाब अहमद (92.01), नौशीन अंसारी (91.5), माहीम सिद्दीकी (91.5), तबस्सुम फातिमा (89), आइजा अफशीं (89.6), मुहम्मद अरफाज कुरैशी (89.3), तहमीना खान (88.83), अयाना फातिमा (86), सैयद असजाद अली (85.5), इसरा खान (85), शाहाब अहमद (84.50), आलिया परवीन (83.6), सुहैब अंसारी (83.16), अलफिया परवीन (83), तौसिफ खान (82.5), रिजा खान (82.5), महताब खान (81.6), ओवैस अली खान (81), कनीज अलीशा (80.5), मोहम्मद समीर (80.16), सदफ सुजान (79), मोहम्मद अमीरुल हसन (76.5), नाजिया (75.5), तानिया कुरैशी (75.3), अब्दुल मोइज (75.1) और आरिश खान (74.8) शामिल हैं।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या, 12 घंटे में एक ही परिवार के 6 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की हत्या और उसके परिजनों पर प्राणघातक हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर एक ही परिवार के 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

दिनांक 12.07.2026 की रात लगभग 9:30 बजे कुन्दरा पारा जैतखाम के पास अक्षय कोठारी, लेखराम कोठारी, गोपा उर्फ सूयर्देव कोठारी और चाचा बल्ला उर्फ रोशन कोठारी पर आरोपियों ने एक राय होकर लाठी, डंडे, ईंट और चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल लेखराम कोठारी की मौत हो गई, जबकि अन्य तीन परिजन घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना पर थाना पद्मनाभपुर में अपराध क्रमांक 0421/2026, धारा 103(1), 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य सुरक्षित किए। नए आपराधिक कानूनों के तहत ऋछ विशेषज्ञों को बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य भी एकत्र किए गए। पुलिस ने घेराबंदी कर घटना के महज 12 घंटे के भीतर एक ही परिवार के सभी 6 आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में सभी ने अपना अपराध स्वीकार किया।

आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ईंट, डंडे, चाकू और अपराध के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं। वैधानिक कार्यवाही कर सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपियों का प्रार्थी पक्ष से लगभग तीन साल पहले जैतखाम में झंडा लगाने को लेकर विवाद था। इसी पुरानी रंजिश के कारण आरोपियों ने योजनाबद्ध

गिरफ्तार आरोपी

1. लक्ष्मी चेलक, पिता मेलाराम चेलक, उम्र 35 वर्ष
2. आकाश चेलक, पिता रामचंद्र, उम्र 26 वर्ष
3. सत्यम चेलक, पिता तारांदास, उम्र 33 वर्ष
4. खेलू चेलक, पिता रामचंद्र, उम्र 32 वर्ष
5. प्रकाश चेलक, पिता रामचरण, उम्र 29 वर्ष
6. देवचंद चेलक, पिता मेलाराम चेलक, उम्र 34 वर्ष सभी निवासी कुन्दरापारा, पद्मनाभपुर

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि आपसी विवादों को कानून के दायरे में सुलझाएं। किसी भी आपराधिक गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून हाथ में लेने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

राजनांदगांव रेंज के नए पुलिस महानिरीक्षक बने अजय यादव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव,

राजनांदगांव रेंज के नव पदस्थ पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव (भा.पु.से.) ने सोमवार को विधिवत पदभार ग्रहण किया।

पदभार ग्रहण के अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मानपुर–मोहला–अंबागढ़ चौकी वाई.पी. सिंह, पुलिस अधीक्षक खैरागढ़–छुईखदान–गंडई लक्ष्य शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन, नगर पुलिस अधीक्षक एलेक्जेंडर किरो, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मंजूलता बाज, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ केसरी नंदन नायक, डीएसपी (मुख्यालय) के.पी. मरकाम, डीएसपी नक्सल एम्ब्रोज कुजूर, सहायक एआईजी गीता वाधवानी, रक्षित निरीक्षक लोकेश कसेर सहित पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय के अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों के साथ ली परिचयात्मक बैठक

पदभार ग्रहण के बाद अजय यादव ने उपस्थित अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक कर संवाद किया। बैठक में राजनांदगांव रेंज के अंतर्गत आने वाले जिलों की कानून–व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, नक्सल गतिविधियों, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम तथा लंबित अपराधों के अनुसंधान की समीक्षा की गई।

अजय यादव ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा एवं विश्वास पुलिस की सवीच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बेसिक पुलिसिंग को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने, थाना स्तर पर पुलिस की सक्रियता बढ़ाने तथा आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने अपराध अनुसंधान में आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के अधिकतम उपयोग, गंभीर अपराधों के शीघ्र निराकरण, फरार एवं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी, अवैध शराब, सट्टा, जुआ एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कारर्वाई करने के निर्देश दिए। साथ ही साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जनजागरूकता बढ़ाने पर भी बल दिया।

पारदर्शी और जवाबदेह पुलिसिंग पर बल

पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कानून–व्यवस्था की स्थिति को सवीच्च स्तर पर बनाए रखते हुए आम जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित किया जाए। पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितैषी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि रेंज के सभी जिलों में टीम भावना के साथ कार्य करते हुए अपराध नियंत्रण, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। बैठक के दौरान अजय यादव ने अधिकारियों से जिलेवार अपराध स्थिति, लंबित प्रकरणों, विशेष अभियानों तथा पुलिसिंग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

संपादकीय

सरकार को अफवाह फैलाने का मौका नहीं देना चाहिए

सरकार कुछ देशहित,जनहित में करना चाहती है तो देश में कुछ लोग ऐसे होते हैं वह खुल कर तो सरकार का विरोध करने सामने नहीं आते हैं लेकिन पर्दे के पीछे से कई तरह के माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए यह अफवाह फैलाने का प्रयास करते हैं कि सरका जो कुछ करने जा रही है वह देशहित व जनहित में नहीं है। इससे तो लोगों को नुकसान होगा। इस बार भी सरकार ने जैसे ही ई-20 ईंधन यानी 20 प्रतिशत एथेनाल मिश्रित पेट्रोल बेचने का फैसला किया वैसे ही देश में अफवाह फैलाने वाले सक्रिय हो गए कि इससे तो गाड़ी खराब हो रही है, गाडी के इंजन पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, गाड़ी चलते चलते बंद हो जाती है,गाड़ी का माइलेज कम हो गया है ।सरकार की तरफ से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी व हरदीप सिंह पुरी की तरह से जो कहा गया उससे देश के लोगों को सच्चाई का पता नहीं चला,उल्टे और भ्रम फैल गया।

नितिन गड़करी ने ई-20 के आलोचकों को चुनौती देते हुए कहा कि वह किसी एक कार का नाम बताएं,जिसमें ई-20 का उपयोग करने के कारण कोई समस्या आई हो। उनका कहना था कि देश में ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। उनका कहना था कि ई-20 के बारे में गलत बातें फैलाई जा रही है। पैसा देकर अभियान चलाया जा रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने देश भर में उठ रहे सभी सवालों का खारिज करते हुए कहा कि ई-20 से उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। पुरी ने कहा कि वाहन निर्माता कंपनियां और वाहन सर्विस सेंटर दोनो मानते हैं कि ई-20 के इस्तेमाल में कोई दिक्कत नहीं है ।कुछ दिन बाद केंद्र सरकार की तरफ से यह साफ करने पर कि ई-20 ईंधन के प्रयोग से वाहन का माइलेज तीन से पांच प्रतिशत तक कम हो सकता है। यह तो साफ हो जाता है कि ई-20 के मामले में सरकार ने सच्चाई को सामने लाने में देरी की और देश में कुछ लोगों को अफवाह फैलाने का मौका मिला है तो इसके लिए मंत्री व केंद्र सरकार भी दोषी हैं।

जब सरकार के किसी कदम से देश में गलत बाते फैलाई जाती है, अफवाह फैलाई जाती हैं तो सच जनता को बताना सरकार का काम होता है। सरकार को सच बताने में देरी के कारण देश में अफवाह फैलती है और सरकार के देशहित व जनहित मे उठाए जा रहे कदम का विरोध शुरू हो जाता है कि सरकार गलत कर रही है। सरकार बाद मे बता रही है कि वाहन का माइलेज तीन से पांच प्रतिशत कम हो सकता है,सरकार बाद मे बता रही है कि सरकार शुध्द पेट्रोल या ई-20 पर लौटने वाली नही है ।सरकार बाद में बता रही है कि पिछले कई सालों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको ने एथेनाल व संबंधित बुनियादी ढांचे में लगभग एक लाख करोड़ रुपए प्रतिवर्ष निवेश किया है। इसके तहत एथेनाल संयंत्र,डिस्टलरी,भंडारण सुविधाएं, लाजिस्टिक नेटवर्क बनाए गए हैं। यह सब सरकार पहले बता सकती थी इससे सरकार की आलोचना नहीं होती और लोगों को झूठ फैलाने का मौका नहीं मिलता।

सरकार अब बता रही है कि ई-20 क्यों जरूरी है। सरकार पहले भी बता सकती थी कि विदेशी तेल पर निर्भरता घटाने,किसानों की आय बढ़ाने व देश में प्रदूषण कम करने के लिए ई-20 का उपयोग जरूरी है। यह सच है कि इससे कुछ नुकसान हैं लेकिन फायदे उससे बड़े हैं। यह सच है कि इससे देश को फायदा है लेकिन लोगों को नुकसान भी तो होगा। लोगों का कहना है कि माइलेज घटने से, वाहन का मेंटेनेंस खर्च बढ़ने से उनका वाहन का खर्च बढ़ता है। यानी ऊर्जा सुरक्षा,पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आय तीन लक्ष्यों को सरकार ने एक साथ साधने का काम किया है, इससे देश को फायदा होगा लेकिन वाहन मालिको तो नुकसान होगा। उनके फायदे के विषय में सरकार ने सोचा नहीं है। सरकार को उनके फायदे के बारे में सोचना चाहिए। सीधी सी बात है कि ई-20 का उपयोग करने से वाहन का माइलेज कम होता है तो ईंधन पहले से ज्यादा लगेगा यानी ईंधन का खर्च के साथ ही वाहन के रखरखाव का खर्च भी तो बढता है।

कुछ लोगों का कहना है कि ई-20 सामान्य पेट्रोल से सस्ता मिलता तो भी वाहन मालिकों के लिए फायदे की बात होती। ई-20 तो सामान्य पेट्रोल में महंगा है, कई बार जब अंतराष्ट्रीय बाजार मे कच्चा तेल सस्ता होता है तो तब एथेनाल की लागत पेट्रोल से और ज्यादा हो जाएगी। यानी ई-20 कोई सस्ता ईंधन तो नही है। ई-20 एक राष्ट्रीय नीति है,देश के फायदे के लिए है तो इसका नुकसान वाहन मालिकों को अकेले क्यो उठाना चाहिए ।सरकार कर संरचना,मूल्य निर्धारण व अन्य प्रोत्साहनों के जरिए इस नुकसान को कम कर सकती है। सरकार जनता को सच बताएगी तो जनता उसे स्वीकार करेगी और सरकार का सहयोग भी करेगी। इसके लिए जरूरी है कि सरकार कोई भी फैसला करती है तो वह सच जनता के सामने रखे ।कोई भी बड़ा सुधार तब ही सफल होता है जब उसका उद्देश्य अच्छा हो और उसे जनता की स्वीकृति प्राप्त हो। देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है तो यह अच्छी बात है। इसकी सफलता के लिए जनता का विश्वास भी जरूरी है ।जनता के सहयोग बिना कोई सुधार सफल नहीं होता है इसलिए सरकार को जनता का सहयोग पहले प्राप्त करना चाहिए ।उसका भरोसा पहले जीतना चाहिए।

यूरेनियम डील से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता भारत

महेन्द्र तिवारी

दुनिया इस समय ऊर्जा परिवर्तन के सबसे महत्वपूर्ण दौर से गुजर रही है। एक ओर जलवायु परिवर्तन की चुनौती देशों को कोयले और पेट्रोलियम जैसे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के लिए मजबूर कर रही है, तो दूसरी ओर तेजी से बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहनों और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार ने बिजली की मांग को अभूतपूर्व स्तर तक पहुंचा दिया है। ऐसे समय में परमाणु ऊर्जा एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था के केंद्र में आ गई है। अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देश अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रमों का विस्तार कर रहे हैं। इसी वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम आपूर्ति समझौते पर अंतिम मुहर लगना केवल एक व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता और भविष्य की विकास यात्रा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान क्षमता की तुलना में यह कई गुना अधिक है और इसे हासिल करने के लिए नए परमाणु बिजलीघरों का निर्माण, आधुनिक रिएक्टरों की स्थापना और दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति आवश्यक होगी। सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि परमाणु ऊर्जा भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का प्रमुख आधार बनेगी तथा इसे विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है।

यहीं पर ऑस्ट्रेलिया का महत्व सामने आता है। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के सबसे बड़े ज्ञात यूरेनियम भंडार वाले देशों में गिना जाता है। लंबे समय तक वहां से भारत को यूरेनियम निर्यात का मार्ग विभिन्न नीतिगत और कानूनी कारणों से अवरुद्ध रहा, लेकिन अब प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिए जाने के बाद भारत को वहां से दीर्घकालिक और विश्वसनीय ईंधन आपूर्ति का रास्ता खुल गया है। इससे भारत की नागरिक परमाणु परियोजनाओं को स्थिर ईंधन उपलब्ध होगा और भविष्य में बनने वाले नए रिएक्टरों को भी आवश्यक संसाधन मिल सकेंगे।

भारत के लिए यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में प्राकृतिक यूरेनियम के सीमित भंडार हैं। भारत ने घरेलू स्तर पर यूरेनियम की खोज और उत्पादन बढ़ाने के प्रयास अवश्य किए हैं, लेकिन बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए केवल घरेलू संसाधनों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को लगातार ईंधन चाहिए और यदि आपूर्ति बाधित हो जाए तो उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया जैसा भरोसेमंद साझेदार भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नया आधार प्रदान करता है।

यह समझौता केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। परमाणु तकनीक का उपयोग चिकित्सा, कैंसर उपचार, कृषि अनुसंधान, खाद्य संरक्षण, अंतरिक्ष विज्ञान, औद्योगिक परीक्षण तथा उच्च स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान में भी होता है। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम, आधुनिक अनुसंधान संस्थान और कई उच्च तकनीकी परियोजनाएं परमाणु विज्ञान से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। इसलिए यूरेनियम की स्थिर उपलब्धता देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को भी मजबूती देगी।

हालांकि इस समझौते को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि यह इतने वर्षों तक लंबित क्यों रहा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असैन्य परमाणु सहयोग समझौता वर्ष 2014 में हो चुका था, लेकिन उसके बाद भी वास्तविक यूरेनियम आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इसका सबसे बड़ा कारण परमाणु अप्रसार संधि यानी एनपीटी से जुड़ी ऑस्ट्रेलिया की पुरानी नीति थी। भारत इस संधि का सदस्य नहीं है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया लंबे समय तक केवल उन्हीं देशों को यूरेनियम निर्यात करता था जो एनपीटी के सदस्य थे। बाद में भारत के जिम्मेदार परमाणु रिकॉर्ड, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी व्यवस्था तथा असैन्य और सैन्य परमाणु कार्यक्रमों के स्पष्ट पृथक्करण को देखते हुए दोनों देशों ने सहयोग का रास्ता निकाला। इसके बाद भी प्रशासनिक प्रक्रियाओं, सुरक्षा मानकों, निगरानी व्यवस्था और ईंधन के केवल शांतिपूर्ण उपयोग से जुड़े प्रावधानों को अंतिम रूप देने में वर्षों लग गए। अब जाकर यह प्रक्रिया पूरी हुई है।

भारत का परमाणु कार्यक्रम हमेशा शांतिपूर्ण उपयोग पर आधारित रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह विश्वास कायम किया है कि वह असैन्य परमाणु ईंधन का उपयोग केवल ऊर्जा उत्पादन और अन्य नागरिक उद्देश्यों के लिए करेगा। यही कारण है कि आज अनेक देश भारत के साथ परमाणु क्षेत्र में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुआ यह समझौता भी इसी भरोसे का परिणाम माना जा रहा है।

ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, हाई स्पीड रेल, स्मार्ट शहर और डिजिटल अवसंरचना के विस्तार के कारण बिजली की मांग कई गुना बढ़ने वाली है। सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन इनकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि इनका उत्पादन मौसम पर निर्भर रहता है। सूर्य न होने या हवा कम चलने पर उत्पादन घट जाता है। इसके विपरीत परमाणु ऊर्जा चौबीसों घंटे निरंतर बिजली उपलब्ध कराती है। यही कारण है कि विकसित देश भी नवीकरणीय ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा को समानांतर रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया का यह समझौता केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, साइबर सुरक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। यूरेनियम समझौता इस व्यापक रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय है। इससे दोनों देशों के बीच विश्वास और आर्थिक सहयोग भी बढ़ेगा। इंडो पैसिफिक क्षेत्र में बदलते भू राजनीतिक समीकरणों ने भी इस समझौते को विशेष महत्व दिया है। चीन की बढ़ती सक्रियता, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े जोखिमों के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे लोकतांत्रिक देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देश केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि समान रणनीतिक सोच वाले सहयोगी के रूप में भी उभर रहे हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारत केवल एक देश पर निर्भर रहने की नीति नहीं अपना रहा। भारत पहले से कनाडा, कजाखस्तान और अन्य देशों के साथ भी यूरेनियम आपूर्ति को लेकर सहयोग बढ़ा रहा है। विभिन्न स्रोतों से ईंधन उपलब्ध होने का अर्थ है कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने पर भी भारत की ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी। यह विविधीकरण ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

कुछ लोगों का मानना है कि इस समझौते के बाद भारत में बिजली संकट हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। यह निष्कर्ष पूरी तरह सही नहीं होगा। केवल यूरेनियम उपलब्ध हो जाने से बिजली उत्पादन स्वतः नहीं बढ़ जाता। इसके लिए नए परमाणु संयंत्रों का निर्माण, वित्तीय निवेश, प्रशिक्षित मानव संसाधन, सुरक्षा मानकों का पालन, बिजली प्रसारण नेटवर्क और समयबद्ध परियोजना प्रबंधन भी आवश्यक हैं। परमाणु बिजलीघर बनने में कई वर्ष लगते हैं और प्रत्येक परियोजना अत्यधिक तकनीकी एवं पूंजी आधारित होती है। इसलिए इस समझौते को एक महत्वपूर्ण आधार अवश्य माना जा सकता है, लेकिन इसे संपूर्ण समाधान नहीं कहा जा सकता।

इसके बावजूद इस समझौते का दीर्घकालिक महत्व असंदिग्ध है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है तो उसे विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्याप्त ऊर्जा की आवश्यकता होगी। परमाणु ऊर्जा इस लक्ष्य का महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकती है। ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाला यूरेनियम भारत की ऊर्जा नीति को स्थिरता देगा, स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को गति देगा, कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता करेगा और देश की औद्योगिक तथा तकनीकी प्रगति को नया आधार प्रदान करेगा।

वास्तव में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ यह यूरेनियम समझौता केवल दो देशों के बीच ईंधन का लेनदेन नहीं है। यह ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास, वैज्ञानिक प्रगति, रणनीतिक साझेदारी और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया दूरदर्शी कदम है। आने वाले वर्षों में जब भारत अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का तेजी से विस्तार करेगा, तब इस समझौते का महत्व और अधिक स्पष्ट दिखाई देगा। यह सौदा भारत को केवल बिजली उत्पादन के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा राजनीति और स्वच्छ विकास की दिशा में भी अधिक आत्मविश्वास और मजबूती के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा।

विदेश से भारत की संप्रभुता-सुरक्षा के खिलाफ डिजिटल वार

संजय सक्सेना

दुनिया में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी देशों को कमजोर करने के लिए सीमा पर सेना उतारी जाती थी, अब वही काम मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए किया जा रहा है। इस युद्ध में न तो टैंक दिखाई देते हैं और न ही मिसाइलें, लेकिन इसका असर किसी पारंपरिक युद्ध से कम नहीं होता। इसका लक्ष्य दुश्मन के शहरों पर कब्जा करना नहीं, बल्कि उसके समाज में अविश्वास, भय और विभाजन पैदा करना होता है। भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ सबसे बड़ा डिजिटल समाज भी बन चुका है, पिछले एक दशक से इसी अदृश्य युद्ध का प्रमुख निशाना बना हुआ है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 95 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। हर दिन करोड़ों भारतीय मोबाइल पर समाचार देखते हैं, राय बनाते हैं और उसे आगे भी भेजते हैं। यही वजह है कि भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हो गया है, जहां सूचना को हथियार बनाकर सामाजिक माहौल प्रभावित करने की सबसे अधिक कोशिश होती है। सुरक्षा एजेंसियां कई बार संकेत दे चुकी हैं कि सीमा पार बैठे संगठित नेटवर्क भारतीय नामों, तस्वीरों और स्थानीय भाषाओं का इस्तेमाल कर ऐसे फर्जी खाते तैयार करते हैं, जिन्हें देखकर सामान्य व्यक्ति यह समझ ही नहीं पाता कि उसके सामने बैठा व्यक्ति वास्तव में किसी दूसरे देश से अभियान चला रहा है।

इस डिजिटल हमले की पहली गंभीर झलक 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों में दिखाई दी। हिंसा भड़काने के लिए पाकिस्तान का नहीं, बल्कि दूसरे देश का एक पुराना वीडियो उत्तर प्रदेश का बताकर प्रसारित किया गया। जांच में वीडियो फर्जी निकला, लेकिन तब तक समाज में तनाव फैल चुका था। यही वह दौर था जब पहली बार यह महसूस किया गया कि मोबाइल स्क्रीन पर चलने वाला झूठ जमीन पर खून-खराबे की वजह बन सकता है। इसके बाद 2017 और 2018 में बच्चा चोरी की अफवाहों ने पूरे देश को झकझोर दिया। व्हाट्सएप पर कुछ सेकंड के वीडियो और झूठे संदेशों ने ऐसी दहशत फैलाई कि असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, त्रिपुरा और तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भीड़ ने निर्दोष लोगों को बच्चा चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस जांच में अधिकांश मामलों में कोई संगठित बच्चा चोरी गिरोह नहीं मिला, लेकिन सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें इतनी मजबूत हो चुकी थीं कि सच की कोई कीमत नहीं रह गई थी।

कोरोना महामारी के दौरान यह सूचना युद्ध और खतरनाक हो गया। किसी समुदाय को संक्रमण फैलाने वाला बताया गया, कहीं झूठे घरेलू इलाज वायरल किए गए, तो कहीं वैक्सीन को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई गईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे इन्फोडेमिक कहा, यानी ऐसी महामारी जिसमें बीमारी से ज्यादा झूठ फैलता है। भारत में भी करोड़ों लोगों तक ऐसे संदेश पहुंचे जिनका चिकित्सा विज्ञान से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून, दिल्ली हिंसा और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पूरी तरह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन गया। वास्तविक मुद्दों के साथ-साथ हजारों ऐसे वीडियो और तस्वीरें साझा की गईं जिनका घटना से कोई संबंध नहीं था। कुछ पुराने वीडियो नए बताकर वायरल किए गए तो कुछ तस्वीरों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया गया। किसान आंदोलन के दौरान तथाकथित टूलकिट विवाद ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या भारत के आंतरिक आंदोलनों को विदेशी डिजिटल नेटवर्क दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। जांच एजेंसियों ने कई डिजिटल कड़ियों की जांच की और यह स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया अब केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि रणनीतिक अभियान चलाने का औजार भी बन चुका है।

2023 में मणिपुर हिंसा ने इस खतरे को और स्पष्ट कर दिया। कई ऐसे वीडियो, जो महीनों पुराने थे या दूसरे देशों के थे, उन्हें मणिपुर का बताकर वायरल किया गया। एक फर्जी वीडियो ने हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों के मन में भी गुस्सा और अविश्वास पैदा कर दिया। यह दिखाता है कि डिजिटल दुष्प्रचार अब किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे देश का माहौल प्रभावित कर सकता है। 2024 के आम चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस युद्ध को नया आयाम दिया। नेताओं की आवाज बदलकर भाषण तैयार किए गए, नकली वीडियो बनाए गए और ऐसे संदेश प्रसारित किए गए जिन्हें सामान्य व्यक्ति आसानी से पहचान नहीं सकता था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में डीपफेक लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव ने इस खतरे को वास्तविक रूप में सामने ला दिया। जैसे ही सीमा पर सैन्य गतिविधियां तेज हुईं, सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो की बाढ़ आ गई। गाजा युद्ध के दृश्य भारत-पाक संघर्ष बताकर चलाए गए। पुराने विस्फोटों के वीडियो को ताजा सैन्य कार्रवाई बताया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीरों ने भ्रम और बढ़ा दिया। कुछ विदेशी खातों ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के झूठे दावे किए, जबकि दूसरी ओर भारतीय कार्रवाई को लेकर भी मनगढ़ंत वीडियो फैलाए गए। बाद में सरकारी एजेंसियों ने ऐसे अनेक दावों का खंडन किया और बड़ी मात्रा में भ्रामक सामग्री को हटाने की कार्रवाई की।

विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक डिजिटल युद्ध का सबसे बड़ा हथियार बॉट नेटवर्क हैं। हजारों स्वचालित खाते एक ही समय में एक जैसा संदेश प्रसारित करते हैं। इससे किसी झूठे विषय को भी ऐसा दिखाया जाता है, जैसे पूरा देश उसी पर चर्चा कर रहा हो। इसके साथ ही भुगतान लेकर काम करने वाले ट्रोल समूह, नकली समाचार वेबसाइटें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं कि सामान्य नागरिक के लिए सच और झूठ में अंतर करना कठिन हो जाता है। इस पूरे खेल का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सोशल मीडिया पर जितना अधिक विवाद होगा, उतनी अधिक पहुंच मिलेगी। पहुंच बढ़ेगी तो विज्ञापन और कमाई भी बढ़ेगी। यही कारण है कि कुछ प्रभावशाली खाते बिना किसी सत्यापन के सनसनीखेज सामग्री साझा करते हैं। कई बार उन्हें यह भी पता नहीं होता कि उनका साझा किया गया संदेश किसी विदेशी दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा बन चुका है।

भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में सूचना प्रौद्योगिकी नियमों को सख्त बनाया, सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही बढ़ाई और डीपफेक जैसी नई चुनौतियों को लेकर लगातार परामर्श जारी किए। साइबर सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता भी बढ़ाई गई है। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल कानून इस लड़ाई को नहीं जीत सकते। जब तक नागरिक स्वयं डिजिटल रूप से जागरूक नहीं होंगे, तब तक किसी भी विदेशी अभियान को रोकना कठिन रहेगा। आज सबसे बड़ी आवश्यकता डिजिटल साक्षरता की है। लोगों को यह सिखाना होगा कि किसी वीडियो का स्रोत कैसे जांचें, किसी तस्वीर की वास्तविकता कैसे परखें और किसी वायरल संदेश पर विश्वास करने से पहले आधिकारिक पुष्टि क्यों जरूरी है। यदि समाज तथ्य जांच की आदत विकसित कर ले, तो दुष्प्रचार की सबसे मजबूत कड़ी अपने आप टूट जाएगी। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक समरसता है। इसलिए विदेशी दुष्प्रचार का पहला निशाना भी यही बनता है। डिजिटल युद्ध का उद्देश्य केवल झूठ फैलाना नहीं, बल्कि भारतीयों के बीच भरोसा खत्म करना है। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीपफेक और स्वचालित प्रचार तंत्र इस चुनौती को और गंभीर बनाएंगे। ऐसे दौर में सीमा पर तैनात सैनिक जितने आवश्यक हैं, उतना ही जरूरी हर वह नागरिक भी है जो मोबाइल पर आए हर संदेश को आंख बंद करके सच नहीं मानता। आधुनिक भारत की सुरक्षा अब केवल सीमा चौकियों पर नहीं, बल्कि हर हाथ में मौजूद मोबाइल स्क्रीन पर भी तय होगी।

बच्चों की चहकती ज़िंदगी पर पड़ रहा विकास का काला साया

आरके जैन

जब किसी शहर से बच्चों की खिलखिलाहट गुम होने लगे, समझ लेना चाहिए कि वहां विकास ने दिशा खो दी है। किसी समाज की असली समृद्धि उसकी ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि बच्चों के हिस्से आए खुले आसमान, हरियाली और सुरक्षित खेल-स्थलों में दिखाई देती है। दुर्भाग्य से शहर जितनी तेजी से फैल रहे हैं, सार्वजनिक पार्क और खेल के मैदान उतनी ही तेजी से सिमट रहे हैं। जहां कभी नंगे पांव दौड़ता बचपन सपने संजोता था, वहां आज सूखी जमीन, टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां और कंक्रीट का फैलता साम्राज्य खड़ा है। यह केवल सौंदर्य का ह्रास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर मौन प्रहार है। यदि बचपन से खेल, प्रकृति और खुलापन छीन लिया गया, तो उसकी कीमत केवल बच्चे नहीं, पूरा समाज चुकाएगा।

कंक्रीट की हर नई दीवार हरियाली की कीमत पर खड़ी होती है। बीते दो दशकों में अनियोजित शहरीकरण, प्रशासनिक उदासीनता, भ्रष्टाचार और नागरिक चुप्पी ने सार्वजनिक पार्कों को उपेक्षित कर दिया। कई महानगरों में प्रति बच्चे उपलब्ध खेल क्षेत्र आधे से भी कम रह गया है। नतीजा—बचपन स्क्रीन में कैद है। शारीरिक गतिविधियां घटने से मोटापा, मानसिक तनाव, अकेलापन और व्यवहारगत समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रकृति से कटता बचपन तकनीक में दक्ष, पर शरीर से दुर्बल और मन से असंतुलित होता जा रहा है। यह समाज के भविष्य की गंभीर चेतावनी है।

बचपन की पहली पाठशाला किसी इमारत में नहीं, खुले आकाश के नीचे बसती है। पार्क केवल खेल का मैदान नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहीं बच्चे मित्रता, सहयोग, अनुशासन, हार-जीत का संतुलन और प्रकृति से रिश्ता सीखते हैं। मिट्टी की सोंधी गंध, पेड़ों की छांव, पक्षियों का कलरव और साथियों का साथ वे संस्कार देते हैं, जो कोई स्क्रीन या बंद कमरा नहीं दे सकता। पार्क खत्म होते हैं, तो बचपन का यह अध्याय अधूरा रह जाता है। सबसे अधिक मार सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ती है, जिनके पास निजी क्लब या महंगे प्ले जोन का विकल्प नहीं होता। उनके बच्चे गलियों, छतों और व्यस्त सड़कों पर खेलने को विवश हैं। खेल का अधिकार भी अब आर्थिक असमानता की भेंट चढ़ रहा है।

सबसे भयावह स्थिति तब होती है, जब बच्चों के लिए बनी जगहें ही असुरक्षित हो जाएं। जो पार्क बचे हैं, उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है। रखरखाव का बजट आता है, पर उसका बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार या अधूरे कार्यों में सिमट जाता है। टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां, गंदे पानी के गड्ढे, सूखी घास और कचरा अब सामान्य दृश्य हैं। अनेक स्थानों पर अतिक्रमण ने पार्कों की जमीन निगल ली है। कहीं राजनीतिक आयोजन, कहीं अस्थायी निर्माण, तो रात होते ही कई पार्क असामाजिक तत्वों और शराबियों के अड्डे बन जाते हैं। नतीजा यह है कि जहां बच्चों को सबसे सुरक्षित होना चाहिए, वहीं जाने से परिवार कतराने लगे हैं। किसी संवेदनशील समाज के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी?

हर उजड़ा पार्क योजनाओं नहीं, ईमानदार इच्छाशक्ति की मांग करता है। यह संकट असाध्य नहीं, यदि सरकारें इसे सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न मानें। प्रत्येक शहर में पार्क पुनर्जागरण मिशन के तहत पुराने पार्कों का वैज्ञानिक पुनर्विकास, सुरक्षित खेल उपकरण और नियमित रखरखाव की जवाबदेही तय हो। हर नए आवासीय प्रकल्प में 18 से 20 प्रतिशत क्षेत्र हरित पार्क और खेल क्षेत्र के लिए कानूनी रूप से आरक्षित हो। डिजिटल निगरानी, सामाजिक ऑडिट और वित्तीय पारदर्शिता से सुनिश्चित किया जाए कि पार्कों का बजट कागजों पर नहीं, धरातल पर दिखे। विकास की हर योजना में बच्चों का खेल क्षेत्र अंतिम नहीं, पहला अधिकार होना चाहिए।

सरकारें अकेले बचपन नहीं बचा सकतीं; समाज को भी आगे आना होगा। किसी मोहल्ले का पार्क तभी जीवित रहता है, जब लोग उसे अपना मानें। स्थानीय निवासी, स्वयंसेवी संस्थाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा मिलकर पार्कों को गोद लें, स्वच्छता, वृक्षारोपण और निगरानी की जिम्मेदारी निभाएं। शिक्षा व्यवस्था भी सहभागी बने। विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह पार्क डे हो, जहां बच्चे खेल के साथ प्रकृति को समझें, पर्यावरण संरक्षण सीखें और खुली हवा में सामूहिक गतिविधियों का अनुभव करें। अभिभावकों को भी समझना होगा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल कोचिंग, अंक और डिजिटल उपकरणों से नहीं, बल्कि खुले मैदान, मिट्टी की सोंधी खुशबू और प्रकृति के सान्निध्य से भी होता है।

कानून तभी सार्थक होते हैं, जब वे कागज से उतरकर जनजीवन की रक्षा करें। सार्वजनिक पार्कों को शून्य सहनशीलता क्षेत्र घोषित किया जाए, जहां अतिक्रमण, व्यावसायिक उपयोग, राजनीतिक आयोजन और असामाजिक गतिविधियों की कोई जगह न हो। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई, कठोर दंड और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। नगर निकायों का निरीक्षण औपचारिकता न रहे; प्रत्येक पार्क की स्थिति सार्वजनिक पोर्टल पर हो, ताकि नागरिक भी निगरानी कर सकें। प्रशासन की दृढ़ता और समाज की सजगता से ही पार्कों की गरिमा लौटेगी। अन्यथा विकास की चकाचौंध में बचपन का उजाला खोता रहेगा और हम आंकड़ों में प्रगति तलाशते रह जाएंगे।

जब बच्चों से खुला आकाश छिनने लगे, समझ लीजिए समाज का भविष्य सिमट रहा है। जिसने खुले मैदान, पेड़ों की छांव और प्रकृति की गोद में जीवन नहीं सीखा, उससे स्वस्थ, संवेदनशील समाज की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? पार्क विलासिता नहीं, हर बच्चे का मौलिक अधिकार हैं। यदि आज हम उसके हिस्से का आकाश, हरियाली और खेल छीन रहे हैं, तो कल उससे रचनात्मकता, संवेदनशीलता और सामाजिक संतुलन की अपेक्षा का नैतिक अधिकार भी खो देंगे। इसलिए सार्वजनिक पार्कों की रक्षा केवल पर्यावरण नहीं, राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। जहां पार्कों में बचपन की हंसी गूंजती है, वहीं सशक्त भविष्य जन्म लेता है।

क्या एप्पल साइडर विनेगर सेहत को पहुंचाता है नुकसान?

एप्पल साइडर विनेगर का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। परफेक्ट फिगर से लेकर चमकदार स्किन पाने के लिए लोग इसका सेवन कर रहे हैं। एप्पल साइडर विनेगर को कुछ लोग वजन कम करने के लिए सुबह-सवेरे खाली पेट भी पी रहे हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं रोजाना एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। एप्पल साइडर विनेगर का लंबे समय तक सेवन करने से आपकी हेल्थ को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में बहुत ही स्ट्रांग एसिड होता है, जिसका लिमिट से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का फायदा लेना है तो उसका सेवन पर्याप्त मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। एप्पल साइडर विनेगर के नुकसान क्या-क्या हैं?

दांतों की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर बहुत ही ज्यादा एसिडिक होता है, यह ऐसे तो नुकसादायक नहीं लगता है। लेकिन इसका हद से ज्यादा सेवन करना आपके दांत खराब कर सकता है। दांतों पर एक लेयर होती है, जो लिमिट से ज्यादा एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से हट सकती है। लेयर हटने से दांतों में सेंसटिविटी और सड़न जैसी समस्या हो सकती है। अगर आपको अपने दांतों से प्यार है तो एप्पल साइडर विनेगर को पानी में मिलाकर और स्ट्रा से पी सकते हैं।

दवाइयों पर असर

अगर आपकी किसी तरह की दवा चल रही है, तो एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत है। क्योंकि इसमें मौजूद एसिड, दवाइयों के असर पर प्रभाव डाल सकता है। जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप किसी तरह की दवा ले रही हैं और एप्पल साइडर विनेगर को भी अपने रूटीन में शामिल करने के बारे में सोच रही हैं तो पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लेनी चाहिए।

पेट की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर को डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका लिमिट से ज्यादा सेवनपेट की समस्या हो सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में एसिड का सेवन करने से आपके पेट में जलन हो सकती है। खासकर, अगर आपका गट सेंसिटिव, खट्टे डकार या एसिडिटी की समस्या रहती है तो एप्पल साइडर विनेगर को एक लिमिट में ही लेना चाहिए।

स्किन इरिटेशन

एप्पल साइडर विनेगर का स्किन केयर ट्रीटमेंट्स में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, इसे स्किन पर डायरेक्ट लगाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे जलन और इरिटेशन की समस्या हो सकती है। स्किन के लिए एसिड बहुत हार्ड हो सकता है, ऐसे में इसे डायलियूट करके ही लगाएं। अगर आप एप्पल साइडर विनेगर का टोनर या एक्ने पर इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले थोड़े एरिया पर लगाकर चेक करें।

हड्डियों पर असर

क्या आप जानती हैं एप्पल साइडर विनेगर का बहुत ज्यादा सेवन करने से आपकी हड्डियों पर असर पड़ सकता है? एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट से ज्यादा सेवन, शरीर में पोटेशियम की मात्रा को कम करने से लिंक हो सकता है जिसकी वजह से बोन डेनसिटी भी समय के साथ कम हो सकती है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट में ही सेवन करना चाहिए।

एप्पल साइडर विनेगर के फायदे अनेक हैं, लेकिन किसी भी चीज का अति में सेवन करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले उसके फायदे और नुकसान, दोनों के बारे में जान लेना चाहिए। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से किसी तरह का रिएक्शन होता है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

नसों से जुड़ी समस्या है वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है। अगर आपको भी वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके आप इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है। कई बार इन नसों में ब्लीडिंग भी हो जाती है। वैरिकोज वेंस के कारण क्या हैं और किन आसान तरीकों की मदद से इन्हें मैनेज किया जा सकता है। इस बारे में हमने डाइटीशियन, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट से बात की और उनसे इसे मैनेज करने के कुछ टिप्स जानें।

वैरिकोज वेंस के कारण

- लंबे वक्त तक खड़े रहना
- वजन अधिक होना
- प्रेग्नेंसी
- नसों पर अधिक दबाव
- हार्मोनल इंबैलेंस
- बढ़ती उम्र

इस बात का ख्याल

पुराने वक्त में घरों में खाना बनाने के लिए चूल्हे का प्रयोग होता था। महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी लेकिन आज के वक्त में खड़े रहकर ही खाना बनाया जाता है। ये भी वैरिकोज वेंस की एक बड़ी वजह है। जब महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी तो वे लंबे वक्त तक खड़ी नहीं रहती थी जिससे वैरिकोज वेंस की समस्या कम देखने को मिलती थी। इससे पेल्विक मसल्स को भी फायदा होता था।

इन टिप्स को करें फॉलो

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है तो कुछ आसान टिप्स को फॉलो करके आप इसे मैनेज कर सकती हैं।
- लंबे समय तक खड़ी ना रहें। कुछ देर खड़ी रहने के बाद बैठ जाएं।
- पैरों पर अधिक प्रेशर न डालें।
- अगर आपका वजन अधिक है तो इसे कम करने की कोशिश करें।
- ज्यादा पानी पिएं।
- अपनी डाइट में ताजे फल और सब्जियों को शामिल करें।
- डॉक्टर से सलाह लेकर कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनें। इससे वैरिकोज वेंस को बढ़ने से रोका जा सकता है।
- अगर समस्या ज्यादा है तो डॉक्टर से ट्रीटमेंट जरूर करवाएं।

वैरिकोज वेंस होने पर न करें ये 5 काम, बढ़ सकती है मुश्किल

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। यह कई कारणों से हो सकती हैं। अगर आपको यह समस्या है, तो कुछ कामों को करने से बचें वरना आपकी मुश्किल बढ़ सकती है।

वेरिकोज वेंस के बारे में काफी लोग नहीं जानते हैं। लेकिन, यह नसों से जुड़ी एक समस्या है। आपने कुछ लोगों के हाथ, पैर, एड़ी, पंजे या टखनों में नीली नसे या नसों के गुच्छे देखे होंगे। ये वेरिकोज वेंस होती हैं। इन्हें स्पाइडर वेंस भी कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं और यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखने को मिलती है। आमतौर पर इनसे कोई खतरा नहीं होता है। लेकिन, कई बार ये मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इनकी वजह से कई बार, टांगों में खून की सप्लाई पर असर होता है। कई लोगों को इनकी वजह से खड़े होने में परेशानी हो सकती है। वहीं, कई बार इनमें दर्द और जलन भी होती है। अगर आपको यह समस्या है, तो आपको कुछ कामों को पूरी तरह अवॉइड करना चाहिए।

वेरिकोज वेंस होने पर बिल्कुल न करें ये काम

- अगर आपको वेरिकोज वेंस की समस्या है, तो ज्यादा देर बिल्कुल खड़े न रहें। इससे आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। ज्यादा देर खड़े रहने के कारण, नसों में खून जमने लगता है इससे नसों पर अधिक प्रेशर पड़ता है।
- वेरिकोज वेंज होने पर, आप भारी वजन न उठाएं। दरअसल, भारी वजन उठाने से नसों पर दबाव पड़ता है और इससे नसों में खिंचाव पैदा होता है। इसकी वजह से नसे कमजोर होने लगती हैं। ऐसा नहीं हैं कि आप बिल्कुल वजन नहीं उठा सकती हैं। लेकिन, अधिक भारी चीजों को उठाने से बचें।
- हाई हील्स वाले सैंडिल न पहनें। इससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और नसों पर दबाव पड़ता है।
- वेरिकोज वेंस होने पर, आपको मुलायम और आरामदायक चप्पले पहननी चाहिए।
- अगर आपको वेरिकोज वेंस हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपको कब्ज न हो। अगर आपका पेट ठीक से साफ नहीं हो रहा है, आपको कब्ज है, तो इसकी वजह से पेट साफ होने पर नसों पर दवाब आता है और परेशानी बढ़ सकती है।
- अधिक कठोर या खुरदुरी जगह पर न चलें। इससे भी नसों पर प्रेशर आता है।

ट्रेवल के दौरान खराब नहीं होगा डाइजेशन अपनाएं ये टिप्स

क्या ट्रेवलिंग के दौरान आपका भी पेट गड़बड़ हो जाता है,गैसे और कब्ज से परेशान हो जाते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो करके इसमें आराम पा सकते हैं।

ट्रेवल करना मजेदार और रोमांच से भरा होता है, लेकिन अक्सर ट्रैवलिंग के दौरा पेट साथ नहीं देता है, अक्सर लोगों को एसिडिटी, कब्ज, जैसी दिक्कत हो जाती है जिसके कारण सफर का मजा किरकिरा हो जाता है, फ्रेशनेस महसूस नहीं होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताए कुछ टिप्स बता रहे हैं जिसे फॉलो करने से ट्रेवलिंग के दौर आपको दिक्कत नहीं होगी

- ट्रैवल के दौरान डाइजेशन को सही रखना है तो खाली पेट कैफ़ीन का सेवन करने से बचें, इससे एसिडिटी बढ़ाने की संभावना रहती है।
- रात को सोते वक्त नाभि में तेल जरूर लगाएं, इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। पाचन बेहतर होता है और गैस की समस्याएं कम होती है। यह एक बेहद सरल और प्रभावी उपाय है।
- सूर्य नमस्कार करना ना भूलें, इससे न सिर्फ फिटनेस को बढ़ावा मिलता है बल्कि आपके पाचन तंत्र को भी सक्रिय करने में मदद मिलती है। यह पेट के अंगों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और पाचन क्रिया को मजबूत करता है।
- रोज सुबह एक चम्मच शहद का सेवन करें, यह नेचुरल लैक्सेटिव गुणों वाला होता है जो कब्ज और गैस की समस्याओं में मदद करता है।
- ट्रेवल के दौरान ठंडा खाना खाने से बचें, ठंडा खाद्य पदार्थ पाचन को धीमा कर सकते हैं, कोशिश करें कि आपके भोजन का तापमान सामान्य गर्म हो ताकी पाचन प्रक्रिया सुचारू बनी रहे।
- फलों और दूध को एक साथ ना खाएं, इससे ब्लोटिंग और असुविधा हो सकती है। फल जल्दी पचते हैं जबकि दूध में अधिक समय लगता है।
- सोने से पहले वज्रासन में जरूर बैठें, इससे पेट पर दबाव पड़ता है जो पाचन अंगों को सक्रिय करता है और भोजन को सही से पचने में मदद करता है।
- रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें, इससे आपकी नींद खराब हो सकती है और पाचन में बाधा आ सकता है।
- रात का खाना जल्दी खाने से आपके शरीर को भोजन पचाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इसे पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है और असुविधा की संभावना कम होती है।

उम्र बढ़ने के साथ कमजोर होने लगती है पास की नजर

प्रेसबायोपिया यानी पास की नजर का कमजोर होना है। यह बीमारी उम्र के साथ होने वाले सामान्य बदलाव के कारण होती है जोकि 40 की उम्र के बाद देखने को मिलती है। हालांकि मोबाइल फोन और इसी तरह के अन्य गैजेट्स के इस्तेमाल करने से कई बार यह बीमारी उम्र से पहले ही नजर आने लगती है। इसमें नजर को पास में केंद्रित कर पाने में परेशानी होती है। खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरू में तो व्यक्ति मोबाइल या किताब को दूर कर पढ़ लेता है लेकिन बाद में दिखाई नहीं देता है।

कारण - इसका मुख्य कारण उम्र का अधिक होना है। यह बीमारी 40वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में आम है, लेकिन मोबाइल, कम्प्यूटर और टेबलेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से लोगों को जल्द ही चश्मा लग जाता है। एस्टीमैटिज्म (दृष्टिवैषम्य), नियरसाइटेडनेस (निकटदृष्टि दोष) और फारसाइटेडनेस (दूरदृष्टि दोष) के रूप में प्रेसबायोपिया में अंतर पाया जा सकता है, जो कि आंखों की पुतलियों के आकार से संबंधित है और आनुवांशिक व पर्यावरणीय कारणों से होते हैं।

लक्षण-इलाज - प्रेसबायोपिया के मरीजों को नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस होने लगता है। अगर बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में हो जाती है तो दिनचर्या में कुछ बदलाव कर इसको नियंत्रित किया जाता है, लेकिन बीमारी बढने पर सर्जरी की जाती है। इसके लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज आदि सर्जरी की जाती है।

चश्मा - बायफोकल या प्रोग्रेसिव लैंस लगे चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे अच्छे होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं। चश्मे के लैंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है जबकि लैंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष के लिए होता है। प्रोग्रेसिव प्रकार के लैंस बायफोकल लैंस के समान होते हैं लेकिन उनके बीच कोई लकीर नजर नहीं आती। इसको पहन सकते हैं।

जांचें - इसकी जांच भी आंखों की दूसरी बीमारियों की तरह ही होती है। डॉक्टर, पहले आंखों में दवा डालकर पुतलियों को फैलाते हैं। इसके बाद तेज रोशनी में आंखों की जांच करते हैं। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता है। इसके अलावा भी डॉक्टर कुछ अन्य टैस्ट भी करवाते हैं।

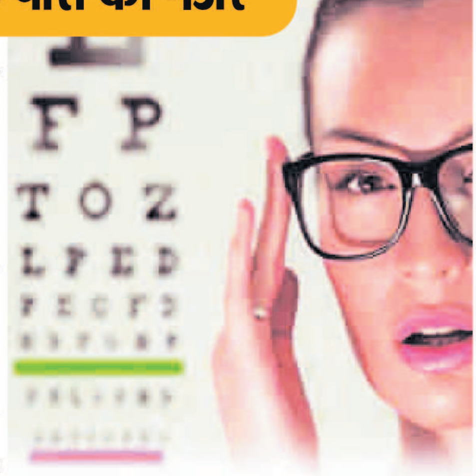

'करुप्पु' की कामयाबी के बाद सूर्या को मिली नई मूवी, साथ होंगी एक्ट्रेस कायाडू लोहार

साउथ के बेहतरीन अभिनेता सूर्या अपनी फिल्म 'करुप्पु' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस बीच उन्हें एक और फिल्म मिली है। होम्बले फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर अपने अगले महत्वाकांक्षी सिनेमाई प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। इसमें सूर्या अहम रोल में होंगे। उनके साथ एक्ट्रेस कायाडू लोहार होंगी।

शानदार है फिल्म की टीम

होम्बले फिल्म्स ने पहले 'केजीएफ', 'कांतारा' और 'सालार' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुका है। फिल्म में साई अभ्यंकर का म्यूजिक होगा, एस. आर. काथिर सिनेमैटोग्राफी संभालेंगे, के. काथिर प्रोडक्शन डिजाइन करेंगे और एडिटिंग फिलोमिन राज की होगी। इस नए सफर की ऑफिशियल शुरुआत आज, 29 जून 2026 को चेन्नई के पार्क हयात होटल में एक भव्य मुहूर्त पूजा के साथ हुई। इस खास मौके पर फिल्म के एक्टर्स, क्रू मेंबर्स और फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े चेहरे शामिल हुए। इसके साथ ही भारतीय सिनेमा के इस सबसे बड़े और धमाकेदार प्रोजेक्ट का आगाज हो चुका है।

कुछ नया बन रहा है

एक बेमिसाल एक्टर, एक उभरती हुई एक्ट्रेस, एक विजनरी डायरेक्टर और कमाल की फिल्में बनाने वाला प्रोडक्शन हाउस, ये सब जब एक साथ आए हैं, तो यकीनन कुछ ऐसा बनने जा रहा है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को हमेशा याद रहेगा।

तलाक के बाद क्या दोबारा शादी करेंगी आकांक्षा चमोला

'लॉक अप 2' में बताया क्या है भविष्य की प्लानिंग

एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला अपने पति और को-एक्टर गौरव खन्ना से तलाक लेने जा रही हैं। इस बीच वह अपने रिश्ते के बारे में कई बातें बता रही हैं। उनकी बातें आए दिन सुर्खियां बनती हैं। ऐसे में आकांक्षा ने तलाक के बाद के प्लान के बारे में बताया है। आइए जानते हैं कि क्या वह तलाक के बाद दोबारा शादी करेंगी?

क्या है चमोला का फ्यूचर प्लान?

नेटफिलक्स पर स्ट्रीम हो रहे शो 'लॉक अप 2' की प्रतियोगी आकांक्षा ने हाल ही में शो के एक एपिसोड में कहा कि उनका दोबारा शादी करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बजाय, वह तलाक के बाद एक आजाद जिंदगी जीना चाहती हैं। 'उनकी तरफ अट्रैक्ट...', तलाक के बाद आकांक्षा चमोला का एक और बयान, बाइसेक्शुअल होने पर किया बड़ा खुलासा

शादी नहीं करेंगी चमोला

अपनी साथी कंटेस्टेंट पामेला के साथ बातचीत के दौरान, आकांक्षा ने कम उम्र में शादी करने के अपने फैसले के बारे में बात की और कहा, 'मैंने बहुत कम उम्र में शादी कर ली थी। मैं 24 साल की थी जब मेरी शादी हुई थी।' जब पामेला ने उन्हें दिलासा देते हुए कहा 'तुम अभी भी जवान हो, तुम्हें कोई न कोई मिल ही जाएगा।' तो आकांक्षा ने साफ कर दिया कि वह शादी के ख्याल से आगे बढ़ चुकी हैं।

पहले एपिसोड में किया था खुलासा

आकांक्षा ने पहले 'लॉक अप सीजन 2' के प्रीमियर एपिसोड में कन्फर्म किया था कि वह और गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रहने के बाद अपनी शादी खत्म कर रहे हैं।

अकेली रहेंगी आकांक्षा चमोला

आकांक्षा ने कहा 'मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मुझे लगता है कि मेरा हो गया लेकिन अपनी जिंदगी में पहली बार, मैं अकेले रहने वाली हूं। यानी, न तो अपने माता-पिता के घर में और न ही अपने पति के घर में। मेरा अपना घर होगा। अब मैं जिंदगी अकेले ही बिताऊंगी।'

अपने हिंदी डेब्यू को तैयार एक्टर अदिवि शेष, अक्तूबर में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

एक्टर-राइटर अदिवि शेष अब अपने हिंदी फिल्मी डेब्यू के लिए तैयार हैं। यह उनके करियर का अगला पड़ाव है, क्योंकि उन्हें तेलुगु सिनेमा के अलावा भी दर्शकों का प्यार लगातार मिल रहा है। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्तूबर में शुरू हो जाएगी।

जल्द होगी आधिकारिक घोषणा

इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'अदिवि शेष ने अच्छे कंटेंट वाली फिल्मों के जरिए दर्शकों के साथ मजबूत जुड़ाव बनाया है। 'मेजर' और 'डकैत' जैसी फिल्मों को मिले अच्छे रिस्पॉन्स से उनके दर्शकों का दायरा काफी बढ़ा है। अलग-अलग इंडस्ट्रीज और भाषाओं में उनके साथ काम करने को लेकर दिलचस्पी भी साफ तौर पर बढ़ रही है।' इस उत्साह को और बढ़ाते हुए एक सूत्र ने बताया, 'इस एक्शन ड्रामा में मुख्य भूमिकाओं में अदिवि शेष के साथ एक और पुरुष अभिनेता और एक महिला लीड कलाकार होंगे। उम्मीद है कि मेकर्स सितंबर में प्री-प्रोडक्शन और कास्टिंग की तैयारी शुरू कर देंगे, और फिल्म की शूटिंग से पहले पूरी कास्ट एक साथ आएगी। मुख्य शूटिंग अक्तूबर में शुरू होने की उम्मीद है।' फिलहाल फिल्म का नाम और डायरेक्टर की पहचान गुप्त रखी गई है और जल्द ही मेकर्स की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है।

अब इस फिल्म में नजर आएंगे अदिवि शेष

अदिवि शेष आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'डकैत' में नजर आए थे। इसमें उनके साथ मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। अब अदिवि 'गुडाचारी 2' में काम करेंगे। इस फिल्म को विनय कुमार सिरिगिनीडी डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी और वामिका गब्बी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'गुडाचारी 2' में अदिवि शेष एक बार फिर तेज-तर्रार एजेंट गोपी का रोल निभाएंगे।

बेटी शोरा के साथ पहली बार स्टेज शेयर करेंगे नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के करियर का ये एक इमोशनल और खास पल है। फिल्मों में बड़ा नाम बनने से पहले नवाज ने अपने एक्टिंग सफर की शुरुआत थिएटर से ही की थी, और अब वो 'नकाब' नाम के नाटक के जरिए फिर से मंच पर लौट रहे हैं। इस बार ये वापसी और भी खास है क्योंकि नवाज अपनी बेटी शोरा सिद्दीकी के साथ स्टेज शेयर करने वाले हैं। शोरा भी इसी नाटक के जरिए एक्टिंग की दुनिया में अपना पहला कदम रख रही हैं। पहली बार पिता और बेटी साथ में परफॉर्म करेंगे, जिससे ये प्रोजेक्ट सिद्दीकी परिवार के लिए बेहद खास बन गया है।

थिएटर से शुरू हुआ था नवाज का सफर

फिल्मों में पहचान बनाने से पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने थिएटर में अपनी एक्टिंग को निखारा। यहीं से उन्होंने सीखा, परफॉर्म किया और अपनी कला को मजबूत बनाया, जो बाद में उनकी फिल्मों की एक्टिंग की पहचान बनी। करीब ढाई दशक बाद अब 'नकाब' के जरिए उनकी थिएटर में वापसी एक तरह से घर लौटने जैसा है। उनके लिए ये सिर्फ एक नाटक नहीं, बल्कि अपने पुराने दिनों से फिर जुड़ने का मौका है।

बेटी शोरा के साथ पहली बार मंच पर

'नकाब' की सबसे खास बात ये है कि इसमें शोरा सिद्दीकी अपना एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं। वो भी उसी मंच से, जहां से कभी उनके पिता ने

अपना करियर शुरू किया था। इस नाटक में नवाज और शोरा पहली बार साथ में स्टेज पर नजर आएंगे। ये सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि परिवार, विरासत और कला के आगे बढ़ने की एक खूबसूरत कहानी भी है।

क्या है 'नकाब' की कहानी

'नकाब' में सस्पेंस, ह्यूमर और कई अनपेक्षित ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। जहां एक तरफ ये नाटक नवाज की थिएटर में वापसी है, वहीं दूसरी तरफ ये शोरा सिद्दीकी को एक नए कलाकार के रूप में दर्शकों से मिलवाएगा। नवाज के लिए ये प्रोजेक्ट उनके अतीत और वर्तमान को जोड़ता है। एक तरफ वो थिएटर से दोबारा जुड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी बेटी को उसी रास्ते पर आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। 'नकाब' के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ये वापसी सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि थिएटर को एक श्रद्धांजलि, उनके शुरुआती दिनों की याद और पिता-बेटी के एक खास पल की कहानी है।

फिल्म 'ब्लू 52' को लेकर नेहा धूपिया ने की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया की 'ब्लू 52' फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू हुआ है, जिसको ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट साउथबैंक में आयोजित किया गया। इस फिल्म से 17वें लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एलआईएफएफ) की ओपनिंग फिल्म होगी। इस फिल्म को लेकर उन्होंने बात की।

अभिनेत्री नेहा धूपिया ने कहा, 'मशहूर बीएफआई साउथबैंक में हमारी फिल्म का यूरोपियन प्रीमियर होना पूरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। आदिल हुसैन और बाकी कलाकारों जैसे टैलेंटेड को-एक्टर्स के साथ इस पल को शेयर करना इसे और भी यादगार बनाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'लियोनेल मेसी जैसे दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले व्यक्ति का इस फिल्म से जुड़ना इस प्रोजेक्ट के लिए इंटरनेशनल लेवल पर बहुत ज्यादा ध्यान खींचने वाला रहा है। मैं सच में लंदन में दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने और उन सभी लोगों के साथ इस सफर का जश्न मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो 'ब्लू 52' को बनाने में शामिल रहे हैं।'

लंदन में होने वाले इस शानदार प्रीमियर में अभिनेत्री नेहा धूपिया, मशहूर एक्टर आदिल हुसैन और फिल्म की पूरी कास्ट के साथ शामिल होगी। इस खास पल को लेकर नेहा ने कहा कि 'ब्लू 52' मेरे लिए हमेशा एक बहुत खास फिल्म रहेगी, क्योंकि यह मेरा पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है, और लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित फेस्टिवल में इसकी ओपनिंग होते देखना किसी सपने जैसा लगता है। उन्होंने कहा, 'अभिनेत्री के तौर पर, हम हमेशा ऐसी कहानियां ढूंढते हैं जो हमें छू जाएं, हमें चुनौती दें और कैमरा बंद होने के बाद भी हमारे साथ बनी रहें, और इस फिल्म ने मेरे लिए बिल्कुल यही किया। ट्रेलर को मिला रिस्पॉन्स बहुत उत्साहजनक रहा है, खासकर मेरे किरदार और परफॉर्मेंस के लिए मिल रहा प्यार। इससे यह भरोसा मिलता है कि दर्शक फिल्म की इमोशनल दुनिया से जुड़ रहे हैं।'

अली अल अरबी की डायरेक्ट की गई यह फिल्म आशीष के बारे में है, जिसे उसके पिता ने अलग-थलग कर दिया था। वह 23 साल की उम्र में अपनी मां के पूरे सपोर्ट से घर से भाग जाता है ताकि कतर में 2022 वर्ल्ड कप में अपने आइडल, मेसी, से मिल सके। यह एक ऐसा सफर शुरू करता है जो उसे पहली बार खुद को और दुनिया को जानने का मौका देता है।

खनिजों के अवैध कारोबार पर शिकंजा, 52 प्रकरणों में 18.95 लाख का जुर्माना

राजनांदगांव में करियाटोला सहित अन्य गांवों में रेत का अवैध भंडारण पकड़ा गया

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम करियाटोला सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम करियाटोला में श्मशान घाट के पास डोंगरगांव निवासी यशवंत साहू की ग्रीन नेटजाली से घिरी भूमि पर लगभग 9 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत रखा पाया गया। रेत के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर भूमि स्वामी को नोटिस जारी किया गया।

इसी तरह करियाटोला-कोहका रोड, मटिया के पास शासकीय और निजी भूमि पर अवैध रूप से भंडारित लगभग 5 हाइवा रेत 3 स्थानों पर रखा मिला। टीम ने जेसीबी और हाइवा के माध्यम से इस रेत को लोड कर शिवनाथ नदी, खुज्जी पुल के पास डलवाया। खनिज अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक खनिज रेत के अवैध परिवहन, उत्खन एवं भंडारण के कुल 52 प्रकरणों में कार्रवाई की गई है। इनसे 18 लाख 95 हजार 600 रुपये का अर्थदंड वसूला गया है। इसमें अवैध परिवहन के 41 प्रकरणों में 10 लाख 33 हजार 200 रुपये, अवैध उत्खनन के 9 प्रकरणों में 7 लाख 20 हजार 600 रुपये और अवैध भंडारण के 2 प्रकरणों में 1 लाख 41 हजार 800 रुपये का जुर्माना शामिल है।

रायपुर विकास प्राधिकरण के नए उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने संभाला पदभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के नवनियुक्त उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने सोमवार को आरडीए कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। समारोह में वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ओ.पी. चौधरी ने डॉ. शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रायपुर के सुनियोजित और समग्र विकास में आरडीए की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ. शर्मा के अनुभव, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता से प्राधिकरण की विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी और नागरिकों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

आरडीए अध्यक्ष नंद कुमार साहू ने कहा कि डॉ. शर्मा के प्रशासनिक अनुभव, चिकित्सा क्षेत्र में लंबे समय तक किए गए कार्य और सामाजिक सरोकारों का लाभ आरडीए को मिलेगा। उनके नेतृत्व में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और जनहितकारी कार्यों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प भी दोहराया।पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और राज्य शासन की जनकल्याणकारी नीतियों के अनुरूप आरडीए की योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितैषी बनाया जाएगा।

खास खबर

सेवा सेतु की त्वरित सेवा से विद्यार्थी का कॉलेज प्रवेश हुआ आसान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

समय पर निवास प्रमाण पत्र मिलने से नहीं रुकी पढ़ाई, परिवार ने जताया छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन का आभार

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सेवा सेतु पहल आम नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं सरल शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने में प्रभावी साबित हो रही है। बेमेतरा जिले के ग्राम संबलपुर, तहसील साजा निवासी रामचरण वर्मा के परिवार को सेवा सेतु के माध्यम से त्वरित निवास प्रमाण पत्र मिलने से उनके भतीजे का कॉलेज में प्रवेश समय पर हो सका। कॉलेज प्रवेश की अंतिम तिथि निकट होने के कारण निवास प्रमाण पत्र की तत्काल आवश्यकता थी। ऐसे में श्री वर्मा ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद सेवा सेतु केंद्र द्वारा त्वरित सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए समय पर निवास प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इससे विद्यार्थी का कॉलेज में प्रवेश बिना किसी परेशानी के संपन्न हो गया और उसकी पढ़ाई बाधित होने से बच गई।

रामचरण वर्मा ने बताया कि पहले ऐसे प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सरकारी कार्यालयों के कई चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती थी। लेकिन सेवा सेतु केंद्र की डिजिटल एवं पारदर्शी व्यवस्था के कारण अब प्रक्रिया काफी आसान और तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि अंतिम समय में प्रमाण पत्र मिलने से उनके भतीजे का प्रवेश समय पर हो सका, जिसके लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न प्रमाण पत्रों सहित अनेक शासकीय सेवाएं निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह व्यवस्था शासन की सेवाओं को नागरिकों के द्वार तक पहुंचाने, पारदशिर्ता बढ़ाने तथा सुशासन को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सेवा सेतु पोर्टल अथवा अपने निकटतम सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ उठाएं और आवश्यक दस्तावेज समयबद्ध रूप से प्राप्त करें।

उप मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर सहसपुर लोहारा में लगा विशेष राजस्व शिविर

जुलाई और अगस्त में लगाए जाएंगे 4 और शिविर

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर सहसपुर लोहारा तहसील में विशेष राजस्व समस्या निवारण शिविरों की श्रृंखला का शुभारंभ शनिवार को मंगल भवन, सहसपुर लोहारा में हुआ। कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित पहले शिविर में राजस्व संबंधी मामलों के त्वरित निराकरण के लिए आमजन से आवेदन प्राप्त कर उनका मौके पर समाधान किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर आयोजित इन विशेष शिविरों का उद्देश्य राजस्व संबंधी समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि सहसपुर लोहारा तहसील मुख्यालय में जुलाई और अगस्त माह के दौरान कुल पांच विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सके।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, अभिलेख शुद्धता, त्रुटि सुधार तथा अन्य राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया को सरल, तेज और प्रभावी बनाया जा रहा है। साथ ही आवेदकों को आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जा सके। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त ऐसे सभी प्रकरण, जिनका तत्काल निराकरण संभव है, उनका मौके पर ही समाधान किया जाए। जिन मामलों में न्यायालयीन प्रक्रिया आवश्यक है, उनमें भी त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आवेदकों को पूरी प्रक्रिया की जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाए। शिविर में जाति प्रमाण पत्र, अभिलेख सुधार, फौती नामांतरण, जन्म प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका, भू-अधिकार पट्टा, बिक्री नकल, राशन कार्ड तथा बिजली कनेक्शन सहित विभिन्न विषयों से संबंधित कुल 96 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 85 प्रकरणों का शिविर में ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष 11 प्रकरणों में न्यायालयीन प्रक्रिया प्रारंभ की गई। कार्यक्रम में सौरभ श्रीवास्तव, दानी मिश्रा, रेखचंद पटेल, भागवत साहू, शिवचरण पटेल, अपर कलेक्टर नरेंद्र पैंकरा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डिप्टी कलेक्टर विकास चौधरी, एसडीएम शिल्पा देवांगन, तहसीलदार विवेक गोहिया सहित नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

लंबित पीएम आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने ग्राम पंचायत मोहरेंगा में आयोजित हुई आवास चौपाल

जिपं सीईओ ने हितग्राहियों से किया संवाद, निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत लंबित आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से जनपद पंचायत बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरेंगा में आवास चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के माध्यम से हितग्राहियों से सीधे संवाद कर आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई तथा निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं का समाधान करते हुए समय-सीमा में आवास पूर्ण कराने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

हितग्राहियों से सीधे संवाद कर जानी निर्माण कार्य की स्थिति

आवास चौपाल में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बेमेतरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला एवं जनपद स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लंबित आवासों के हितग्राही एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत में स्वीकृत एवं लंबित आवासों की सूची का पठन करते हुए प्रत्येक हितग्राही के आवास निर्माण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

निर्माण में आ रही समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

जिन हितग्राहियों को प्रथम अथवा द्वितीय किश्त प्राप्त होने के बावजूद आवास निर्माण प्रारंभ नहीं किया गया था अथवा निर्माण कार्य अधूरा था, उनसे व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने किया प्रेरित

हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत प्राप्त किश्त राशि का समुचित एवं पारदर्शी उपयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने सभी हितग्राहियों से निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास पूर्ण करने का आग्रह किया। इसके लिए आवश्यक काययीजना तैयार कर नियमित रूप से निर्माण कार्य की निगरानी करने पर भी जोर दिया गया।

हर आवास में रेनवाटर हार्वेस्टिंग के लिए सोख्ता गड्ढा बनाने की अपील

चौपाल के दौरान जल संरक्षण के महत्व पर भी विशेष बल दिया गया। सभी ग्रामवासियों एवं हितग्राहियों से प्रत्येक प्रधानमंत्री आवास में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के तहत सोख्ता गड्ढा निर्माण करने की अपील की गई, ताकि वर्षा जल का संरक्षण हो सके और भू-जल स्तर को बढ़ाने में सहायता मिल सके।

निर्माणाधीन आवास, तालाब एवं आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

कार्यक्रम के पश्चात जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत में निर्मित एवं निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवासों का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके साथ ही वीबी जी रामजी अंतर्गत निर्मित तालाब एवं आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने एवं निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के आवश्यक निर्देश दिए।

योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराना

अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को सुरक्षित एवं सम्मानजनक पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग, आवास चौपाल और हितग्राहियों से संवाद के माध्यम से लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

खाद की पर्याप्त उपलब्धता, लक्ष्य के विरुद्ध 110% यूरिया व 212% सिंगल सुपर फास्फेट का भंडारण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन मे खरीफ मौसम को ध्यान में रखते हुए बेमेतरा जिले में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर खाद का भंडारण एवं वितरण किया जा रहा है। शासन द्वारा जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। साथ ही खाद की गुणवत्ता एवं कालाबाजारी पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सघन निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है।

लक्ष्य के अनुरूप खाद का भंडारण व वितरण जारी : शासन द्वारा जिले के लिए कुल 68,300 मीट्रिक टन खाद भंडारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक जिले को 66,560 मीट्रिक टन खाद प्राप्त हो चुकी है, जो पिछले वर्ष के कुल खाद वितरण का 103 प्रतिशत है। अब तक 45,953 मीट्रिक टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो कुल उपलब्ध खाद का लगभग 67 प्रतिशत है।

डीएपी के साथ अन्य उर्वरकों की भी पर्याप्त उपलब्धता : जिले के लिए 16,200 मीट्रिक टन डीएपी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध अब तक 6,699 मीट्रिक टन डीएपी समितियों में उपलब्ध कराया जा चुका है। यह पिछले वर्ष के डीएपी वितरण का लगभग 60 प्रतिशत है। डीएपी के अतिरिक्त जिले में अब तक 11,698 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) तथा 7,725 मीट्रिक टन एनपीके खाद भी प्राप्त हो चुकी है। वतर्मान में लक्ष्य के विरुद्ध सिंगल सुपर फास्फेट का 212 प्रतिशत, यूरिया का 110 प्रतिशत तथा एनपीके का 77 प्रतिशत भंडारण सुनिश्चित किया जा चुका है, जिससे किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

डीएपी के विकल्प के रूप में एसएसपी और एनपीके का करें उपयोग : कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे डीएपी के विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) एवं एनपीके उर्वरकों का भी उपयोग करें। विभाग के अनुसार सिंगल सुपर फास्फेट में 16 प्रतिशत फास्फोरस एवं 11 प्रतिशत सल्फर उपलब्ध होता है, जो फसलों की बेहतर वृद्धि एवं उत्पादन के लिए लाभकारी है। संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाकर किसान बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

खाद की गुणवत्ता पर प्रशासन की सख्त निगरानी : जिले में खाद की गुणवत्ता बनाए रखने तथा कालाबाजारी एवं अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए जिला एवं विकासखंड स्तरीय उड़नदस्ता दल लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अब तक 3 खाद विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। 3 प्रकरणों में 953 बोरी खाद जब्त की गई है, जबकि 4 प्रकरणों में खाद विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है।

किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना प्राथमिकता : षि विभाग ने बताया कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को समय पर पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। विभाग द्वारा खाद की उपलब्धता, वितरण एवं गुणवत्ता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि जिले के किसानों को बिना किसी बाधा के खेती के लिए आवश्यक उर्वरक उपलब्ध हो सकें।

कचरा मिक्स करना मतलब बीमारी को अपने घर बुलाना : कलेक्टर गोपाल वर्मा

विभागीय अमला गांव-गांव पहुंचकर स्वच्छ कबीरधाम का मंत्र जन-जन तक पहुंचा रहा है

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

एक गलत आदत पूरे गांव को बीमार कर सकती है। इसलिए अब कचरा अलग होगा और सोच भी अलग होगी।ष इस संकल्प के साथ कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशन में जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 को जनआंदोलन बनाने की मुहिम तेज हो गई है। घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से लोगों को कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की टीम तथा विभागीय अमला गांव-गांव पहुंचकर स्वच्छ कबीरधाम का मंत्र जन-जन तक पहुंचा रहा है।

15 जुलाई से जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन शुरू किया जाएगा। आगामी 2 अक्टूबर 2026 तक जिले की 60 ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए स्वच्छता दीदी, संकुल समन्वयक, विकासखंड समन्वयक एवं पंचायत सचिव घर-घर जाकर लोगों को कचरा पृथक्करण के लिए प्रेरित करेंगे और चार रंगों के डस्टबिन के उपयोग की जानकारी देंगे।

अभियान के तहत लोगों को बताया जा रहा है कि हरे डिब्बे में गीला कचरा जैसे सब्जी, फल एवं भोजन अवशेष डालें, जिससे वर्मी खाद तैयार की जा सके। नीले डिब्बे में कागज, प्लास्टिक एवं कपड़े जैसे सूखे कचरे को रखें, जिससे उसका पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) हो सके। लाल डिब्बे में सेनेटरी पैड, डायपर और सुई जैसे खतरनाक कचरे को अलग रखें, जिससे स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को संक्रमण से बचाया जा सके। वहीं काले डिब्बे में बैटरी, बल्ब, पेंट, कीटनाशक तथा एक्सपायरी दवाइयों जैसे विशेष कचरे को रखने की अपील की जा रही है, ताकि मिट्टी, जल और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सके।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि लाल डिब्बे में सेनेटरी सामग्री और सुई अलग रखने से स्वच्छता दीदियों और सफाई कमियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है, जबकि काले डिब्बे में बैटरी एवं अन्य हानिकारक अपशिष्ट रखने से खेत, नदियां और पर्यावरण सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने कहा कि कचरे को मिलाकर फेंकना बीमारी और प्रदूषण को बढ़ावा देना है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि यह केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। प्रत्येक परिवार को चार रंगों के डस्टबिन की व्यवस्था कर कचरे का पृथक्करण करना है। जो परिवार मिश्रित कचरा देंगे या नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध ग्राम पंचायतों द्वारा नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित पंचायत की स्वच्छता रैंकिंग भी प्रभावित होगी।

अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए स्वच्छता दीदियां गांवों में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी। स्कूलों में लाल-काला विषय पर चित्रकला एवं निबंध स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्तियों को पट्टाधृति अधिकार अधिनियम-2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दिया प्रशिक्षण

कलेक्टर ममगाई की अध्यक्षता में राजस्व एवं नगरीय निकायों के अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण, पात्र हितग्राहियों को पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से पट्टा वितरण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्तियों को पट्टाधृति अधिकार अधिनियम, 2023 के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिनियम के तहत पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध एवं नियमानुसार भूमि का पट्टा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाना रहा।

अधिनियम के सभी प्रमुख प्रावधानों की दी गई विस्तृत जानकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, पात्रता निर्धारण, सर्वेक्षण प्रक्रिया, आवेदन परीक्षण, अभिलेखों के सत्यापन, दावा-आपत्ति के निराकरण, पट्टा स्वीकृति एवं वितरण सहित विभिन्न विधिक एवं प्रक्रियात्मक विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समस्त प्रक्रियाओं को समयबद्ध, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपादित करने के निर्देश दिए गए।

विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने समझाई अधिनियम की व्यावहारिक प्रक्रिया

प्रशिक्षण के दौरान अधीक्षक भू-अभिलेख आशुतोष गुप्ता एवं राजस्व निरीक्षक खुमान देशमुख ने अधिनियम के प्रावधानों एवं उसके व्यावहारिक क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न प्रक्रियाओं से जुड़े तकनीकी एवं विधिक पहलुओं को सरल ढंग से समझाया तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

पात्र हितग्राहियों को सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना उद्देश्य : कलेक्टर

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्तियों को पट्टाधृति अधिकार अधिनियम, 2023 का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों के पात्र आवासहीन व्यक्तियों को भूमि पर वैधानिक अधिकार प्रदान कर उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

राजस्व और नगरीय निकायों के अधिकारी रहे उपस्थित

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा प्रकाश भारद्वाज, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नवागढ़ सुश्री दिव्या पोटाई, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) साजा सुश्री पिंकी मनहर, जिले के समस्त तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), सर्वेक्षण दल के सदस्य तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कमर्चारी भी प्रशिक्षण में शामिल हुए।

पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया गया विशेष जोर

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिनियम के प्रावधानों का पूर्ण पालन करते हुए सर्वेक्षण से लेकर पट्टा वितरण तक की समस्त प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाए, ताकि पात्र आवासहीन परिवारों को शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ शीघ्र मिल सके।

पुलिस महानिदेशक ने किया दुर्ग पुलिस के मेगा मेडिकल कैम्प का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग पुलिस और "जन मित्र" के अंतर्गत मेघगंगा ग्रुप एवं स्पर्श अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नई पुलिस लाइन, थगड़ा बांध में एक दिवसीय मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने वृक्षारोपण और फीता काटकर किया।

प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में जिला पुलिस बल, सशस्त्र पुलिस बल, नगर सेना, एसडीआरएफ, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजनों सहित कुल 843 हितग्राहियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श किया गया।

शिविर में 22 विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परामर्श दिया। ठअइछ प्रमाणित लाइफ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा पैथोलॉजी जांच, नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण और विभिन्न सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई गईं।

पुलिस महानिदेशक ने शिविर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य परीक्षण काउंटरों, पैथोलॉजी केंद्र और परामर्श कक्षों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

शिविर में डॉ. ए. पी. सावंत, डॉ. सुधीर गांगेय, डॉ. प्रीति गांगेय, डॉ. जोगेश चंद्र, डॉ. आदर्श त्रिवेदी, डॉ. रश्मि वर्मा, डॉ. दीपक वर्मा, डॉ. अमरीश गर्ग, डॉ. मोनीदीपा साहा, डॉ. अभिषेक महोबिया, डॉ. तरुण ध्रुव, डॉ. तिलेश खुसरो, डॉ. रेखराज साहू, डॉ. ट्विंकल चंद्राकर, डॉ. रिद्धि अरोरा, डॉ. अभिजीत जैन, डॉ. नितिन कथुरिया, डॉ. चिराग अग्रवाल, डॉ. प्रांजल मेश्राम, डॉ. श्रुति सिंह एवं डॉ. बाला सुब्रमण्यम सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। कार्यक्रम में कलेक्टर अभिजीत सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग हर्षित मेहर, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी प्रशांत सिंह पैकरा, उप पुलिस अधीक्षक लाइन चंद्र प्रकाश तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक क्व्रउअह भारती मरकाम, उप पुलिस अधीक्षक आकर्षि कश्यप, नगर सेना सेनानी नागेन्द्र सिंह और रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, कमर्चारी और पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता: डीजीपी

अपने उद्बोधन में पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि पुलिसकर्मी चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं। ऐसे में उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का विशेष महत्व है। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार, योग और व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस कल्याण की दिशा में ऐसे शिविर अत्यंत उपयोगी हैं और भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य ने कहा कि पुलिस की अनियमित दिनचर्या का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे शिविर गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान और स्वस्थ पुलिस बल के निर्माण में सहायक हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि व्यस्त कार्यशैली को देखते हुए यह कैम्प आयोजित किया गया। इसमें सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को भी शामिल किया गया ताकि उन्हें भी विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ मिल सके।

भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-3 में शुरू हुई मशीनीकृत हाउसकीपिंग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता और दक्षता बढ़ाने के लिए स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) में नवीन मशीनीकृत हाउसकीपिंग एवं सफाई अनुबंध लागू किया है। आधुनिक मशीनों और उपकरणों के उपयोग से अब संयंत्र का विशाल कार्यक्षेत्र अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित हो गया है।

एसएमएस-3 का क्षेत्रफल अधिक और औद्योगिक वातावरण चुनौतीपूर्ण होने के कारण सफाई कार्य अत्यंत श्रम-प्रधान था। पूर्व अनुबंध में अधिकांश सफाई मैन्युअल होती थी और मशीनीकरण के लिए केवल एक बैकहो लोडर (जेसीबी) उपलब्ध था। इससे अपेक्षित स्तर की स्वच्छता बनाए रखना कठिन था। कमर्चारियों को हॉट मेटल क्षेत्र जैसे जोखिमपूर्ण स्थानों पर भी काम करना पड़ता था। साथ ही संयंत्र के परिधीय मार्ग, एचएमडीएस क्षेत्र और कास्टर सीवी-2 के आसपास की सफाई पहले के अनुबंध में शामिल नहीं थी।

नए अनुबंध के तहत एसएमएस-3 में व्यापक मशीनीकृत सफाई शुरू की गई है। इसके लिए डम्पर/ट्रक, बैकहो लोडर, व्हील्ड स्किड स्टीयर लोडर (बॉबकैट), बैटरी संचालित राइड-ऑन स्वीपर, इलेक्ट्रिक स्क्रबर ड्रायर और ग्लास क्लीनिंग किट सहित अन्य अत्याधुनिक उपकरण तैनात किए गए हैं। इससे सफाई कार्य अब तेज, प्रभावी और सुरक्षित तरीके से हो रहा है।

नई व्यवस्था से हाउसकीपिंग में आवश्यक जनशक्ति 69 से घटकर 44 हो गई है। वहीं कार्य का दायरा और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अनुबंध की कुल लागत भी लगभग ?6.37 करोड़ से घटकर ?5.55 करोड़ रह गई है, जिससे संसाधनों का किफायती उपयोग सुनिश्चित हुआ है।

मशीनीकृत व्यवस्था लागू होने से जोखिमपूर्ण क्षेत्रों में मैन्युअल कार्य में भारी कमी आई है। इसके साथ ही संयंत्र परिसर की स्वच्छता, औद्योगिक अपशिष्ट का वैज्ञानिक निष्पादन, परिधीय सड़कों का नियमित रखरखाव और समग्र औद्योगिक वातावरण में भी सुधार हुआ है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में करंट लगने से जेईए की मौत

इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस के दौरान हुआ हादसा, मेन मेडिकल पोस्ट में मृत घोषित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में रविवार को इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस के दौरान करंट लगने से एक संयंत्र कर्मी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान विनोद कुमार, आयु 36 वर्ष, पद जेईए, यूआरएम, पीएल नं. 405280 के रूप में हुई है। वह बी शिफ्ट में कार्यरत थे और हादसे के समय उनका कार्यस्थल हॉट सॉ-3, एबी बे क्रेन-407, विद्युत रखरखाव विभाग था।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस कार्य के दौरान अचानक करंट लगने से विनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत उपचार के लिए शाम 4:53 बजे मेन मेडिकल पोस्ट-1 लाया गया, जहां उपस्थित चिकित्सकों ने उन्हें मृत अवस्था में लाया गया (इ१ङ्ग४ँ३ र्ऑ) घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही संयंत्र प्रबंधन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। साथ ही मृतक के परिजनों को नियमानुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100